नामुमकिन डिलीवरी · 6

एक जगह, हम तीन

LinguAula

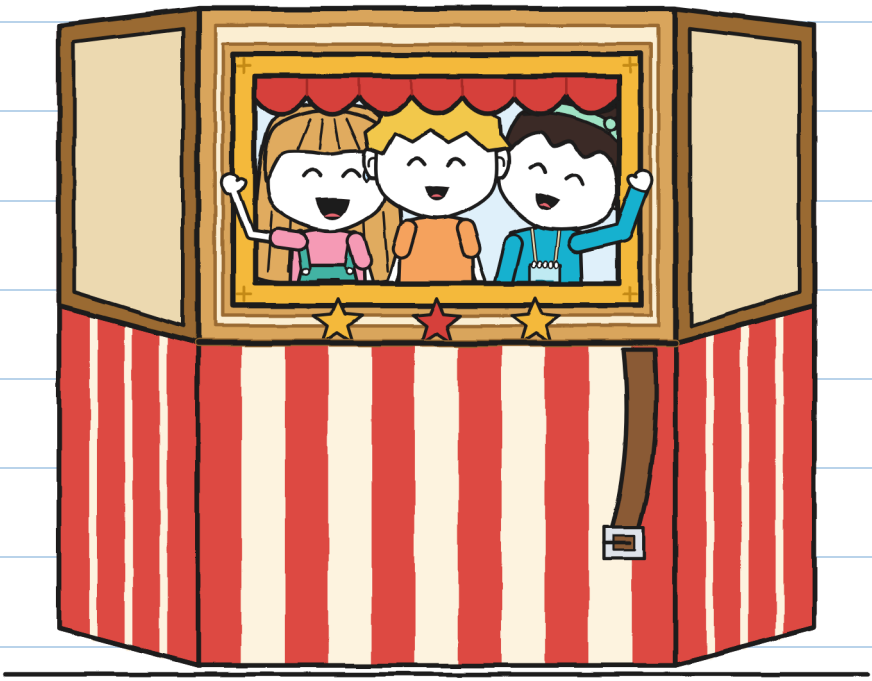

(मुनी की डायरी)

साइज़ XS
पहली बार पढ़ना · 5+

नामुमकिन डिलीवरी · 6

एक जगह, हम तीन

लेखन और चित्र: LinguAula

साइज़ XS · *पहली बार पढ़ना* · 5+

हिन्दी संस्करण: LinguAula

पहला संस्करण: 2026

© 2026 LinguAula · info@linguaula.com

कक्षा और घर के लिए खुलकर फ़ोटोकॉपी कर सकते हैं।

सीरीज़ की छठी किताब।

LinguAula

हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com *पर करो*

यह तीन लोग उठाते हैं। मैंने हत्था चुन लिया। –ज.



साझा। हम समाते हैं। –ज.

अगर यह तुम्हें मिले, तो
इसे तह करके लौटाना।

सिर्फ़ कहानी में

सच में, 76 देखो। –ज.

कौन कौन है

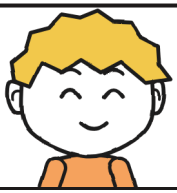

गुनी सेंटीमीटर में नापता है।

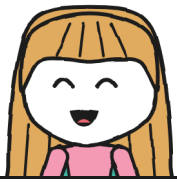

जूलिता को रास्ता पता है।



नोआ क़दमों से नापती है।



आइरीन "रुको" कहती है।

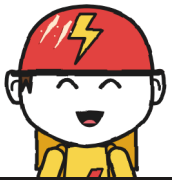

टोन्यो समय गिनता है।



मारा पार्सल उधार देती है।

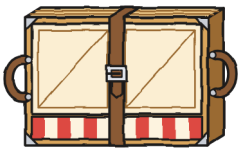

तह होने वाला थिएटर।



R. ने एक लाइन छोड़ी।

डिलीवरी डायरी 6
गुनी की

साझा।



डायरी नंबर 5 ख़त्म हुई। यह वाली नारंगी है। मैंने बस एक शब्द लिखा। आधा पन्ना ख़ाली छोड़ा। वह एक मिनट भी ख़ाली नहीं रहा।

मैंने तुम्हारे पहले पन्ने पर लिखा। –ज.

अध्याय 1

तीन लोग क्यों चाहिए?

सोमवार को मैं स्कूल से निकला।

जूलिता फ़िरोज़ी लिफ़ाफ़ा लिए खड़ी थी।

"मैं इसे नहीं खोलती," जूलिता ने कहा।

"अट्ठाईस मिनट," टोन्यो ने कहा।

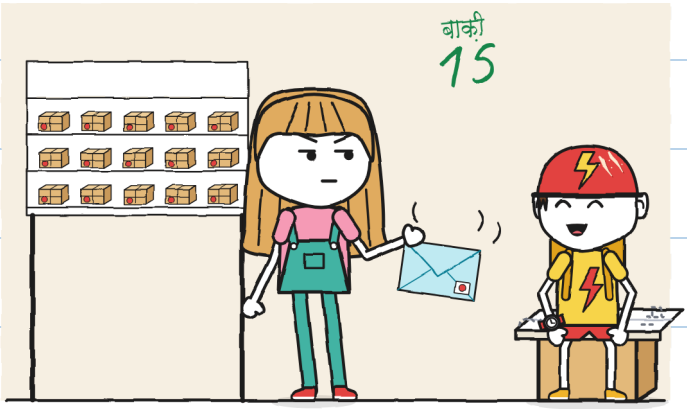

यह मेरा नहीं था। बहुत भारी था। –ज.

मारा लिफ़ाफ़ा खोलती हैं।

मैं आइरीन हूँ, थिएटर से।
एक लाइन कम है:
"छोटा थिएटर: पाना बाक़ी।"
क्या वह आपके पास है?
शनिवार 31: मुक़ाबला।
अगर तह होकर आए,
तीन लोगों के साथ, मैं दस्तख़त करूँगी।
नोआ को दो और चाहिए।

जूलिता: मैं हूँ!
किसी को ले आओ। –नोआ

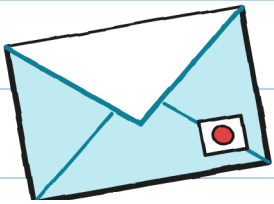

"जिसे पार्सलों का पता हो।" वह मैं था।

आइरीन और नोआ पाँच बजे आईं।

जूलिता और नोआ गले मिलीं। ग्यारह सेकंड।

“यह गुनी है,” जूलिता ने कहा।
“हाय, गुनी,” नोआ ने कहा।

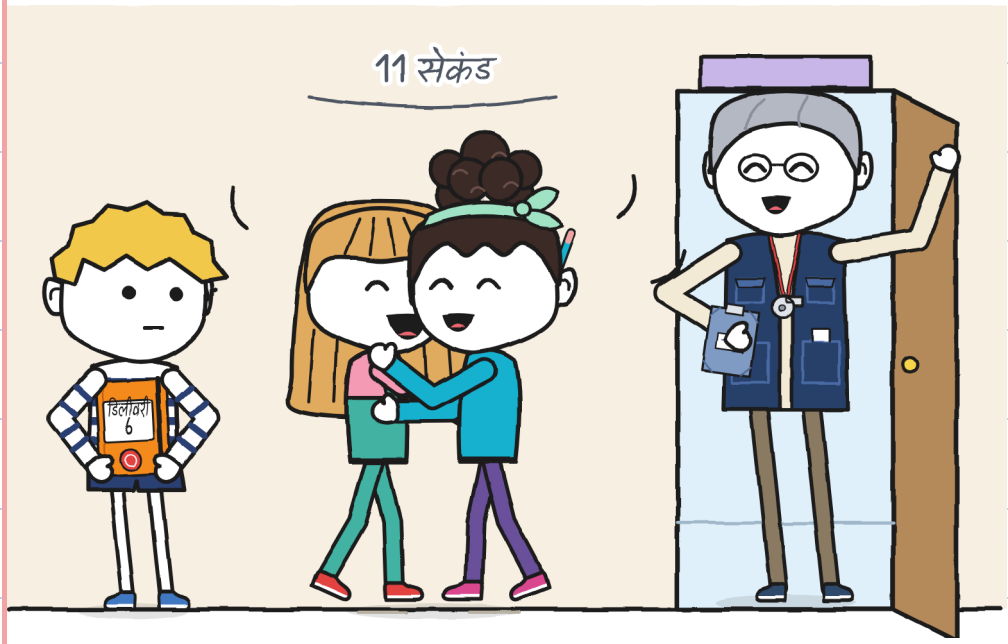

मारा ने नं. 6 उतारा। बाक़ी
सबकी तरह एक डिब्बा।

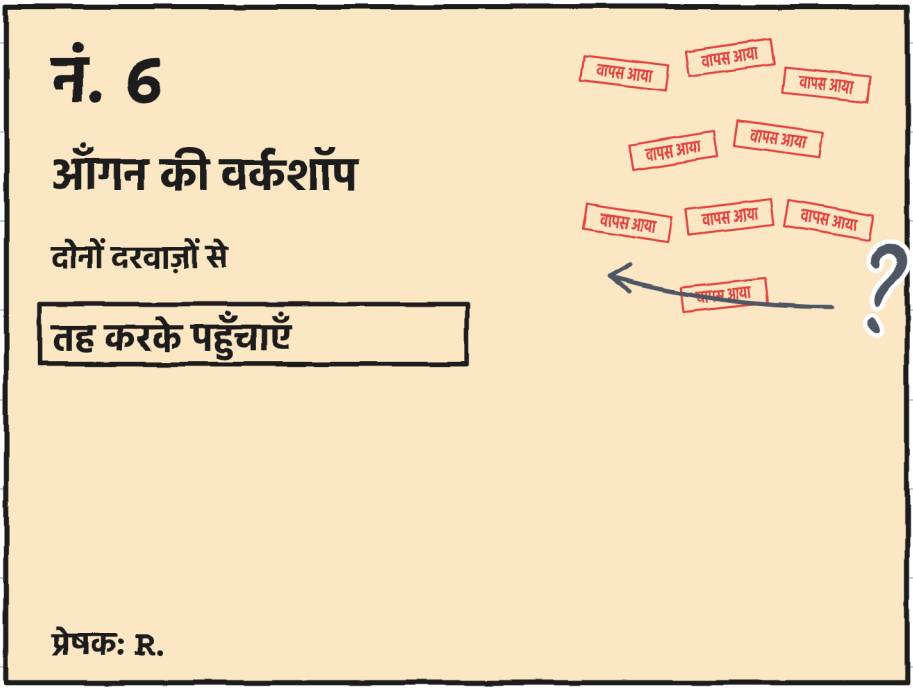

“नौ मुहरें,” जूलिता ने कहा।
“कौन-से दो दरवाज़े?” नोआ ने कहा।
किसी को नहीं पता था।

“मैं इसे नौ बार ले गई,” मारा ने कहा। वर्कशॉप के नाम पर कोई दस्तख़त नहीं करता था।

“थिएटर आँगन में रिहर्सल करता है,” आइरीन ने कहा।

आइरीन ने मुहर वाला एक काग़ज़ दिखाया। अब कोई दस्तख़त करता है।

मारा की नौ कोशिशें

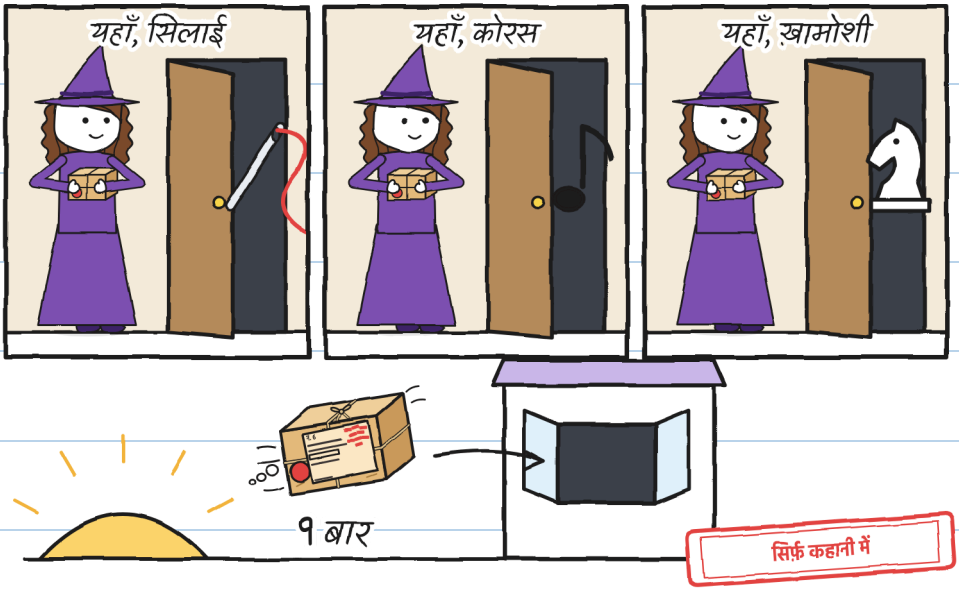

"मारा इसे क्यों नहीं ले
जातीं?" जूलिता ने पूछा।
"मैं इसे नौ बार ले जा चुकी हूँ," मारा ने कहा।
"मेरे बच्चों को उठा पाना
चाहिए," आइरीन ने कहा।

उधार

नं. 6, उधार।

आइरीन के साथ बाहर जाएगा।

तह होकर लौटेगा।

यहीं सोएगा।



यह अपनी शेल्फ़ पर सोता है। –ज.

मंगलवार को हम आँगन गए। वहाँ एक फाटक है। वह अपने आप बंद होता है। छोटा थिएटर बाहर आया और बड़ा हो गया। मैंने टेप निकाला।

नं. 6 की नाप

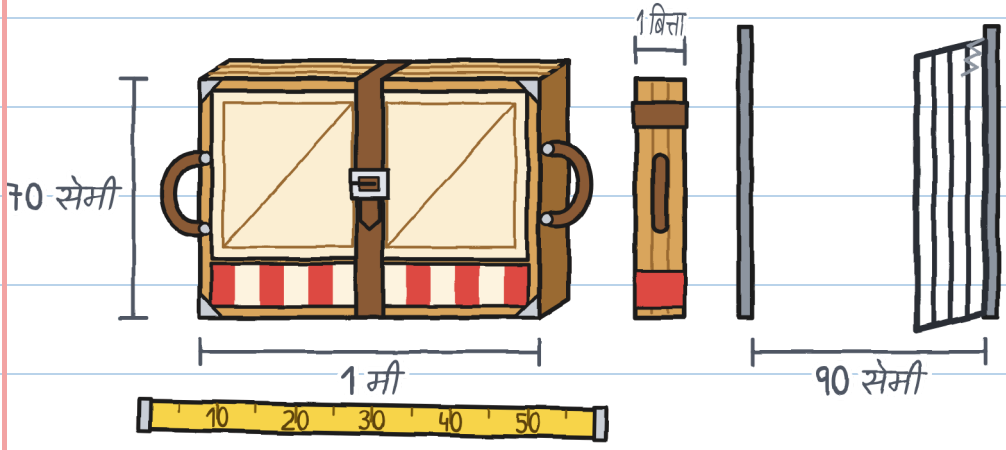

बग़ल के बल वह निकल जाता था।

पैनल अपने आप खुल
गए: क्लैक, क्लैक, क्लैक।

खिड़की से टोन्यो दिखा।
"पूरा है," आइरीन ने कहा।
हाथ हत्थों पर, हिंज पर नहीं।

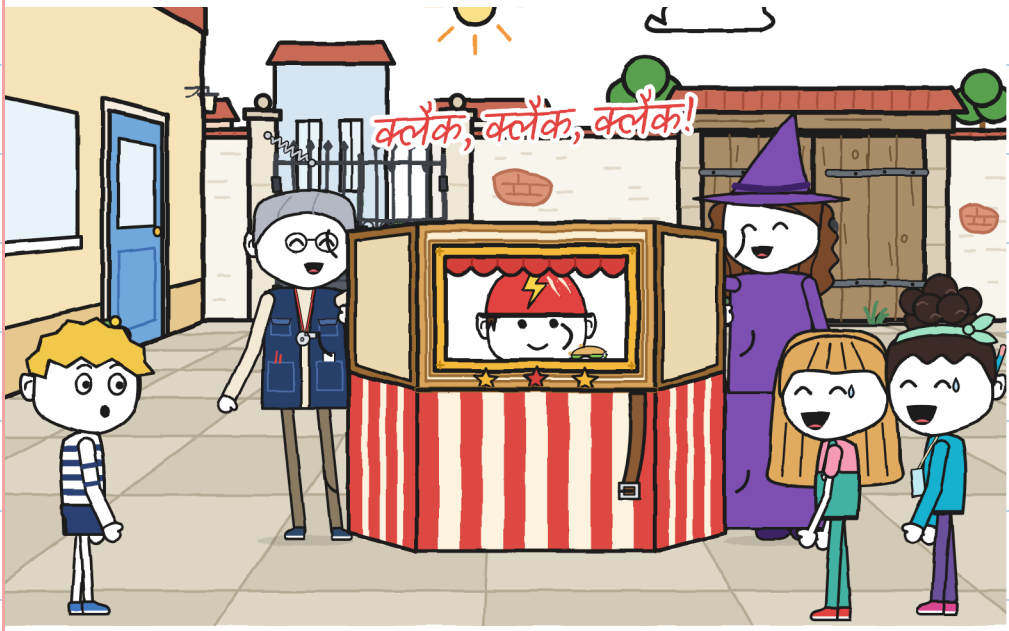

आइरीन और मारा ने छोटे
थिएटर को तह किया।
“हम दोनों कोशिश करती हैं,” जूलिता ने
कहा। नोआ पहले से दूसरे हत्थे पर थी।
उन्होंने उसे उठाया। वे फाटक
तक पहुँचीं। वह बंद था।
मेरे हाथ ख़ाली थे।

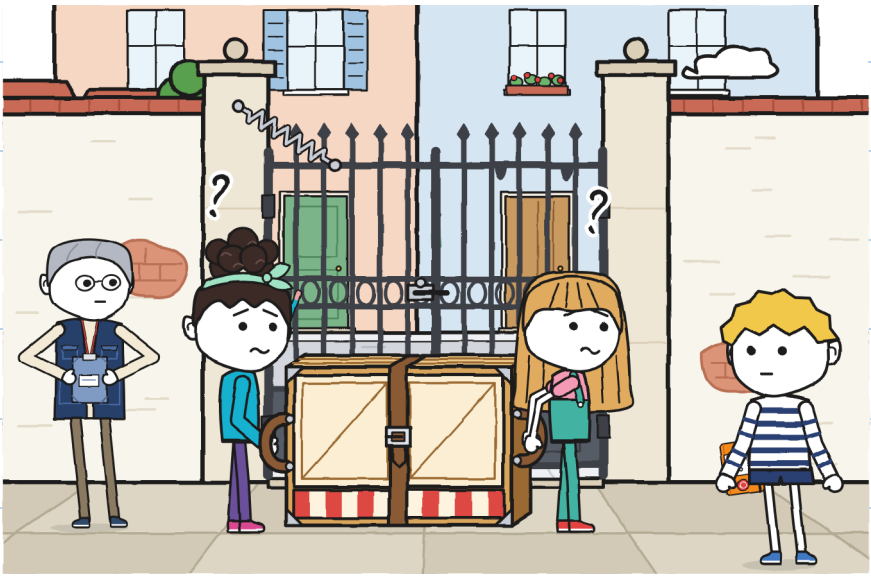

मैंने फाटक को पीठ से रोका। वे निकल गईं।

उसी शाम मैंने मीटर बनाया।

तीन का मीटर

कौन क्या करता है

	उठाना 	दिशा बताना 	रास्ता खोलना 
आँगन, पहली कोशिश	जूलिता और नोआ	जूलिता और नोआ	
आँगन, दूसरी कोशिश	जूलिता और नोआ	जूलिता और नोआ	गुत्ती

ख़ाली खाना: आगे नहीं बढ़ते।

मैंने लिखा: “फाटक को
पत्थर भी रोक सकता है।”

लेबल समझना बाक़ी था।

“दोनों पल्ले,” जूलिता ने कहा।

“बाद में,” नोआ ने कहा।

मैं अकेला गया। जब लौटा, तो वे तय कर चुकी थीं। मैंने मुँह बंद कर लिया।

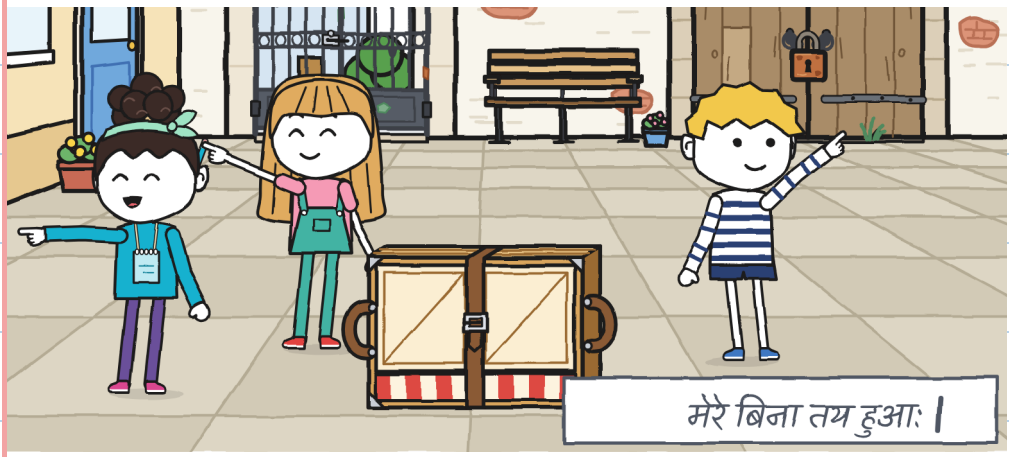

वह लकीर मेरी थी। –ज.

अध्याय 2

रास्ता किसे पता है?

बुधवार को पहला सफ़र था।

"तुम और नोआ उठाओगे," जूलिता ने कहा।
"मैं दिशा बताऊँगी और रास्ता खोलूँगी।"
हरे रंग में मिटता नहीं। दूसरी लकीर।

तीन का मीटर

	उठाना 	दिशा बताना 	रास्ता खोलना 
~~आँगन, पहली कोशिश~~	~~जूलिता और नोआ~~	~~जूलिता और नोआ~~	
आँगन, दूसरी कोशिश	जूलिता और नोआ	जूलिता और नोआ	गुनी
दुकान → आँगन	गुनी और नोआ	जूलिता	जूलिता

मेरे बिना तय हुआ: ||

“क्या हम नक़्शा बनाएँ?” मैंने कहा।

“लंगड़ी मछली तक सीधा,” जूलिता ने कहा।

“कौन-सी मछली?”

“एक लंबी कहानी,” नोआ ने कहा।

उन्होंने मुझे नहीं सुनाई। तीसरी लकीर।

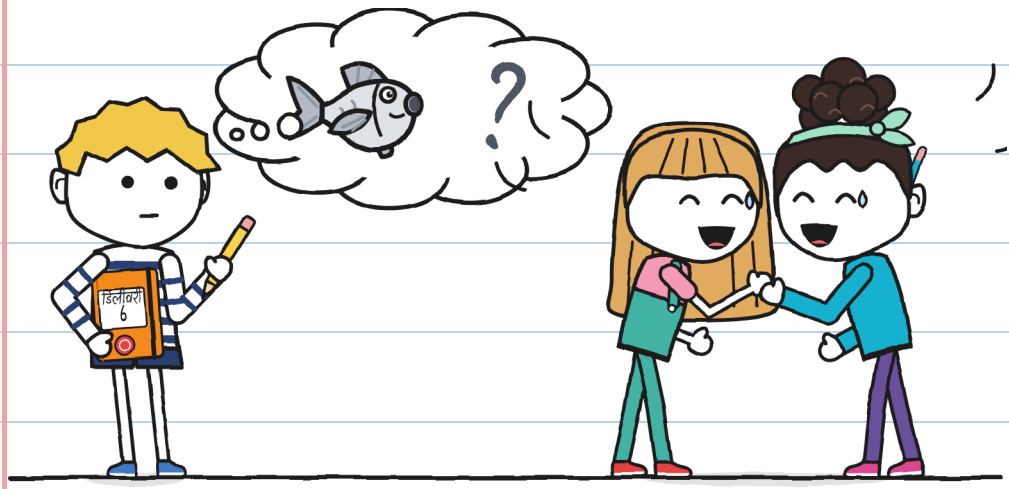

नोआ ने पट्टा पहले छेद में बाँधा।

मैं आगे था। आइरीन सबसे पीछे।
हर कर्ब पर वे "रुको" कहती थीं।

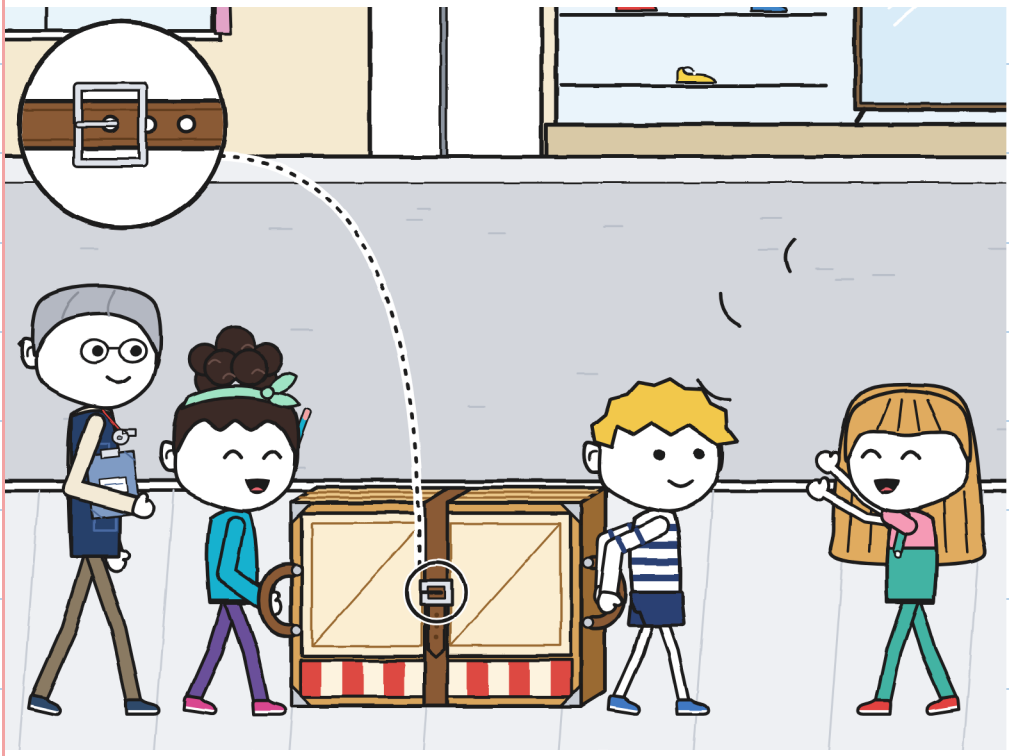

जूलिता बहुत अच्छे से रास्ता खोल रही थी।

“रास्ता दो, थिएटर आ रहा है!”

एक घंटी बजी। टिलिन।

“इसके साथ दौड़ते नहीं,” आइरीन ने कहा।

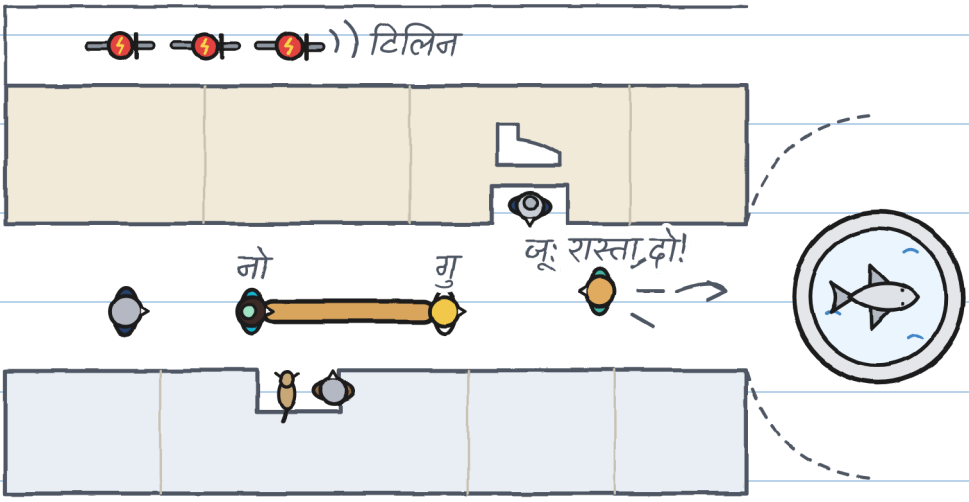

हम फ़व्वारे पर पहुँचे। जूलिता चली गई।

“लंगड़ी मछली तक और मुड़ जाना!”

और वह जा चुकी थी।
पत्थर की एक मछली। उसके सारे पंख थे।

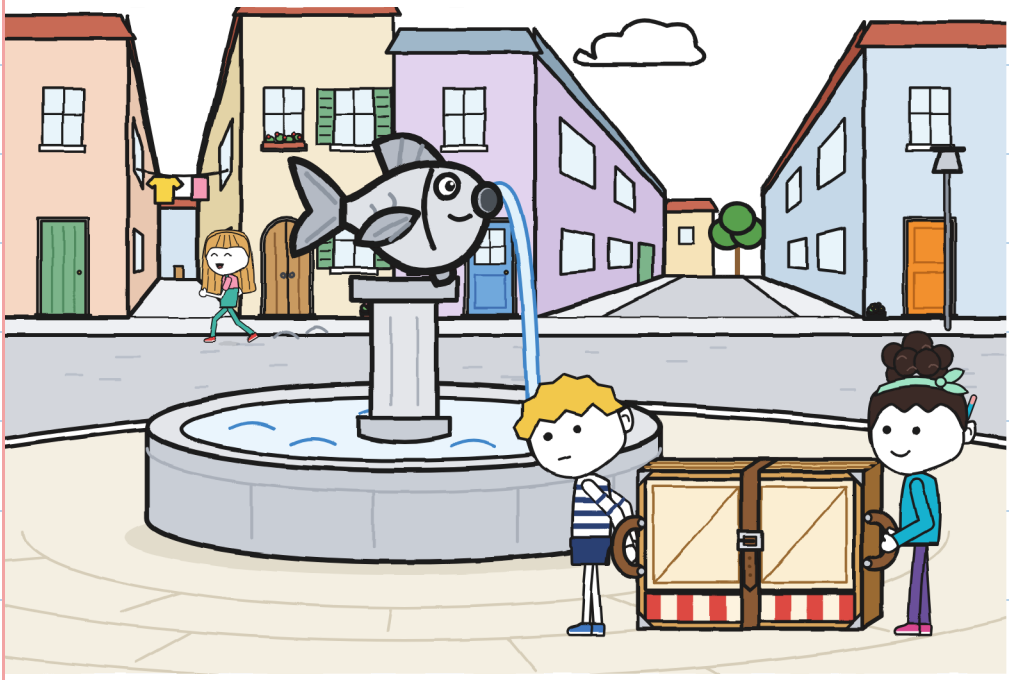

मैंने जल्दी सोचा। यह मेरे बस की बात नहीं।

मछली: सारे पंख।
यह लंगड़ी नहीं है।
कोई और मछली होगी।

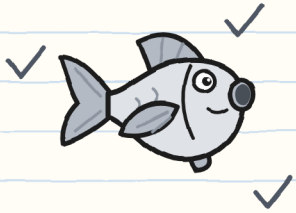

मुड़ना: किस तरफ़?
बाएँ, तंग गली।
दाएँ, चौड़ी गली।
चौड़ी जगह से बेहतर।

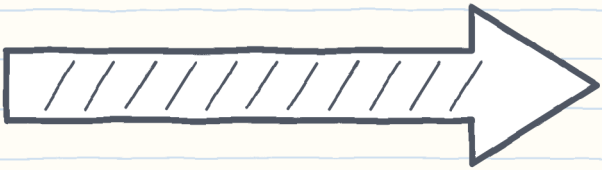

"अभी मुड़ूँ?" मैंने पूछा।
"लंगड़ी मछली पर!" नोआ ने कहा।
मुझे दूसरी मछली नहीं दिखी। मैं दाएँ मुड़ गया।

किसी ने "मोड़" नहीं कहा। किसी
ने पट्टा नहीं पकड़ा। पहले छेद
का बकल ज़्यादा नहीं टिकता।
क्लैंक। क्लैंक। क्लैंक।
पैनल खुल गए। अंदर, नोआ।

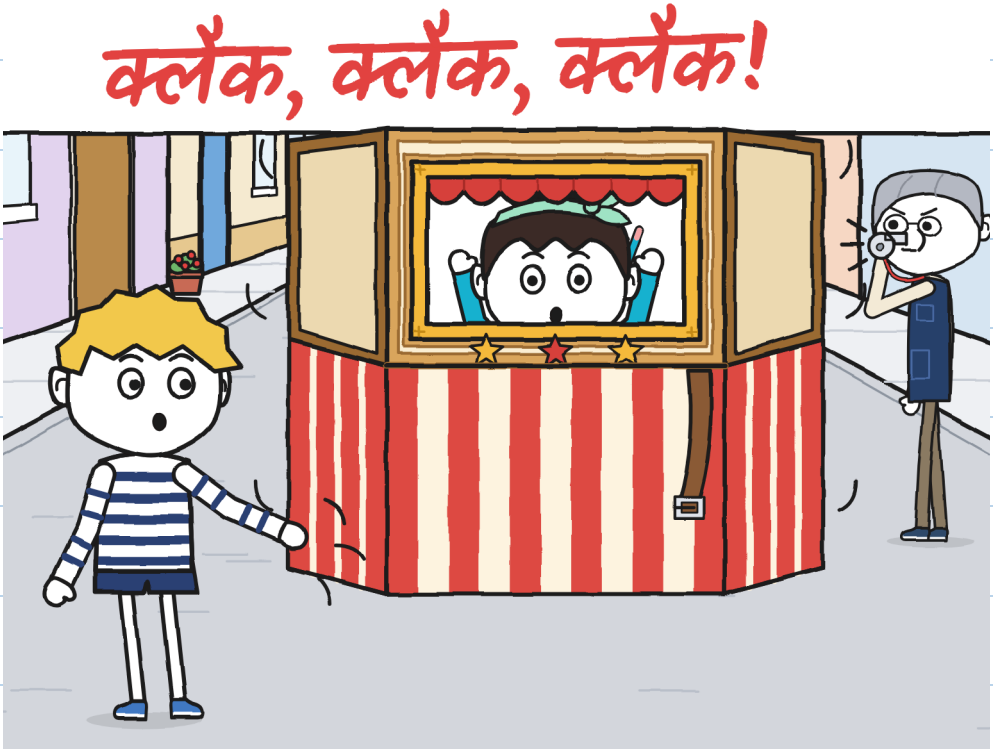

आइरीन ने नोआ के हाथ देखे। फिर मेरे।

"दिशा कौन बता रहा था?" उन्होंने पूछा।
किसी ने जवाब नहीं दिया। दिशा
जूलिता बता रही थी, दो गलियाँ आगे।
मैंने नापा: फ़व्वारे तक चार मीटर।

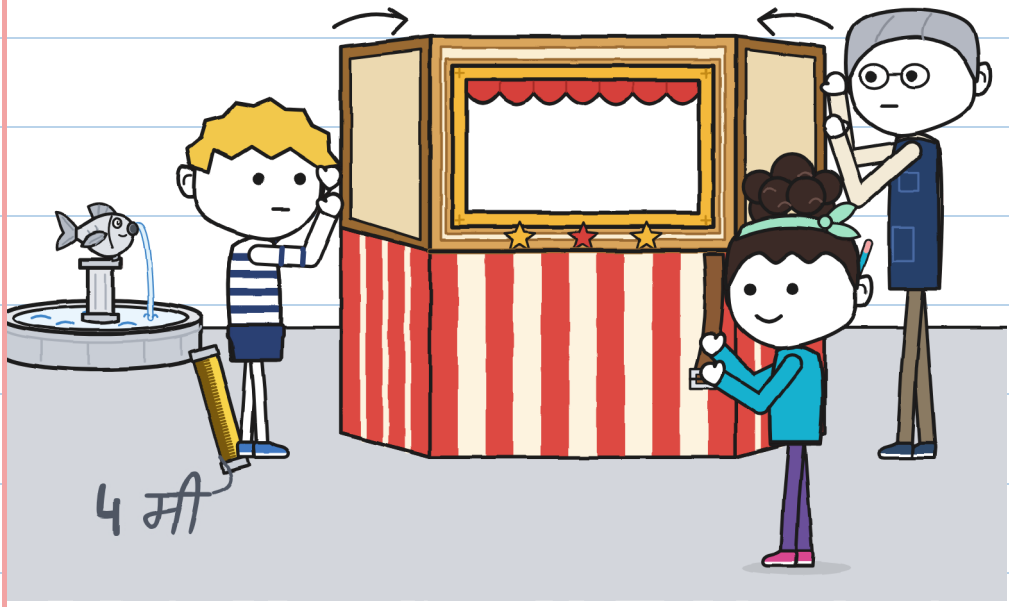

“वह तो लंगड़ी मछली पर था!”

“हमेशा की तरह।”

“‘हमेशा’ उस समय की
बात है जब मैं नहीं था।”

जूलिता आइरीन की ओर मुड़ी।

मैं खोया नहीं था। मैंने नापा था।

चौथी लकीर।

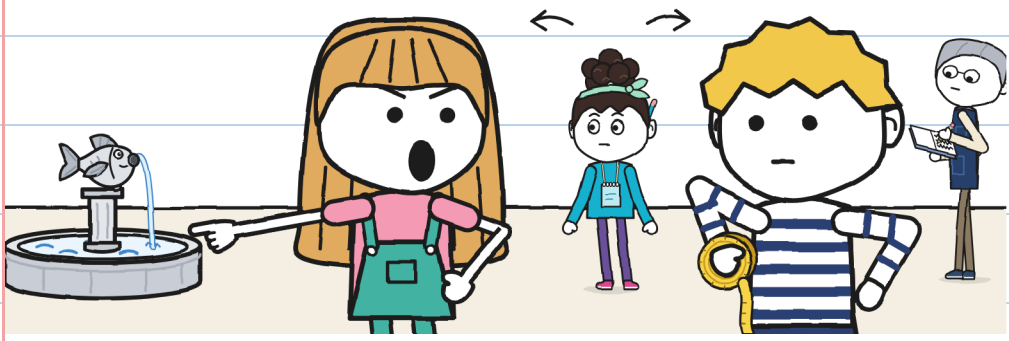

मैंने यह सबके सामने कहा। –ज.

उन्होंने मुझे मछली का दूसरा पहलू
दिखाया। उसका एक पंख नहीं है।

हमने मोड़ दोहराया। ठीक रहा,
पर कोई बोल नहीं रहा था।
“बिजली” साइकिल पर गुज़री। टिलिन।

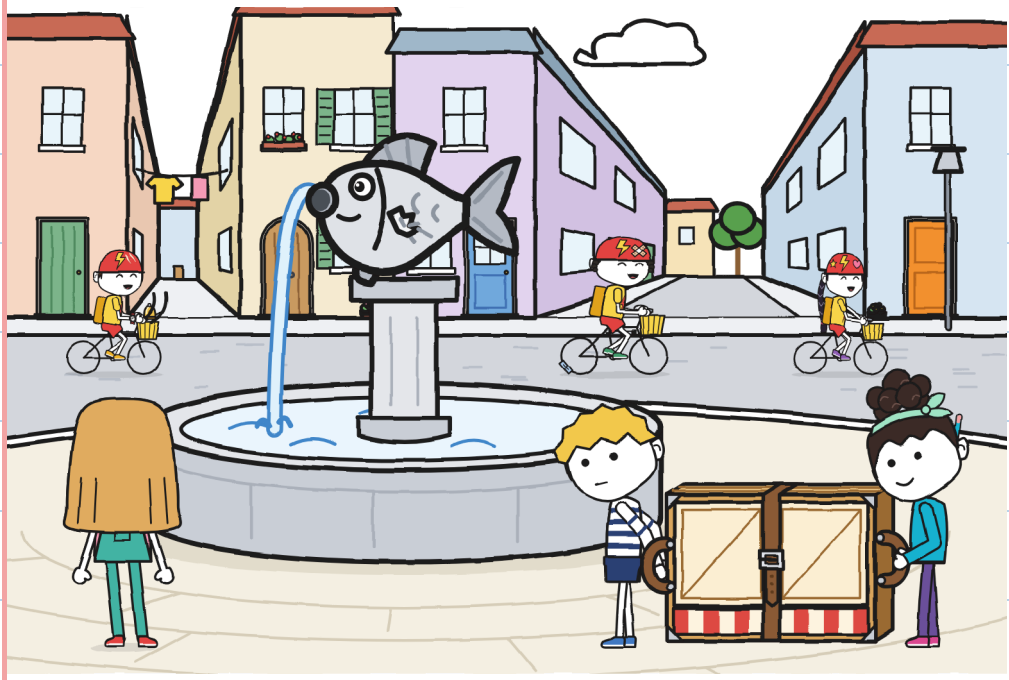

हम लगभग रात में पहुँचे। मारा
ने छोटा थिएटर रख दिया।
मैंने आज की बात मीटर में लिख ली। उसमें
कुछ कम था। क्या, मुझे नहीं पता था।

तीन का मीटर

	उठाना 	दिशा बताना 	रास्ता खोलना 	
दुकान → आँगन	गुनी और नोआ	जूलिता	जूलिता	
दुकान → फ़व्वारा	गुनी और नोआ	जूलिता	जूलिता	खुल गया: 3 बार

?

मैं दो बार आती हूँ। मैं नहीं थी। –ज.

घर पर मैंने वह बनाया जो मुझे
चारदीवारी के पीछे मिला था।
मैंने सोचा: "कल वे फिर ग़लत
करेंगे। तब मैं इसे निकालूँगा।"

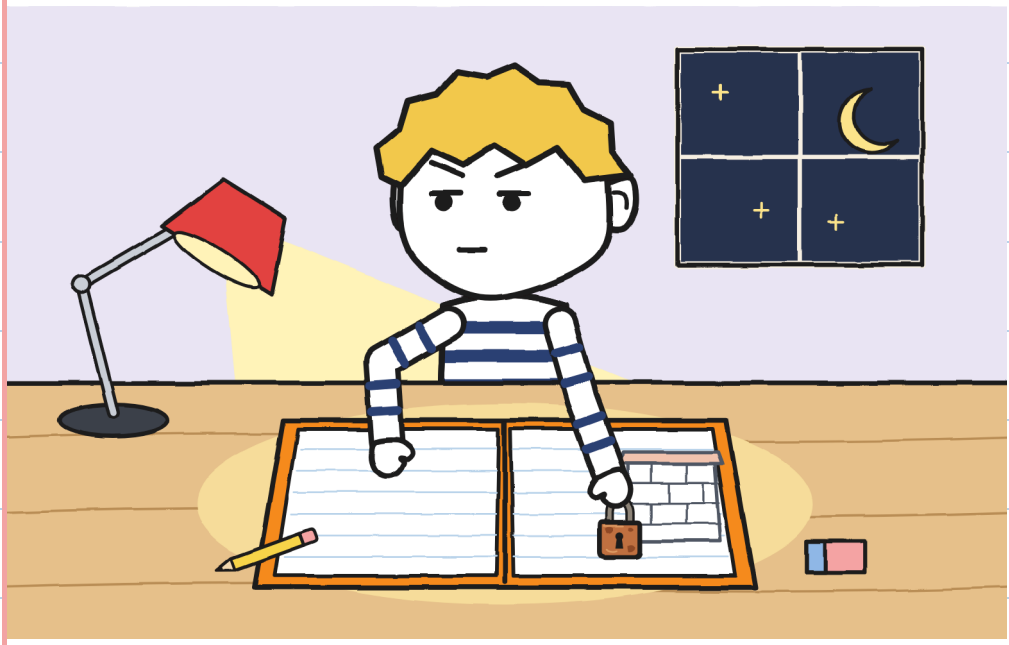

मुझे पसंद नहीं आया। –ज.

अध्याय 3

क्या गुनी का नक़्शा काम का है?

उस रात मैंने पूरा नक़्शा बनाया।

मेरा नक़्शा बहुत अच्छा बना।

मैंने उसे चार तह किया।



गुरुवार को नोआ क़दम गिन रही थी।
"मैं क़दमों से नापती हूँ," नोआ ने कहा।

मैंने नोआ का एक क़दम नापा:
अट्ठावन सेंटीमीटर। नोआ गिनती है।

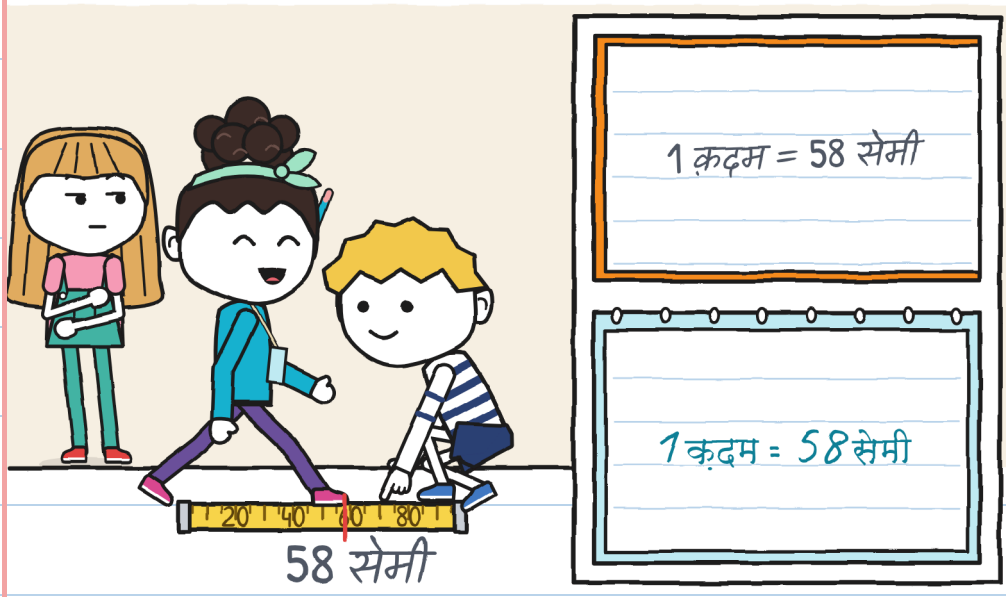

हम आँगन गए। जूलिता और नोआ दोनों
पल्ले खोलना चाहती थीं। दूसरा नहीं खुला।

“लेबल ग़लत है,” जूलिता ने कहा।
“पक्का,” नोआ ने कहा।
मैंने पेंसिल निकाली।

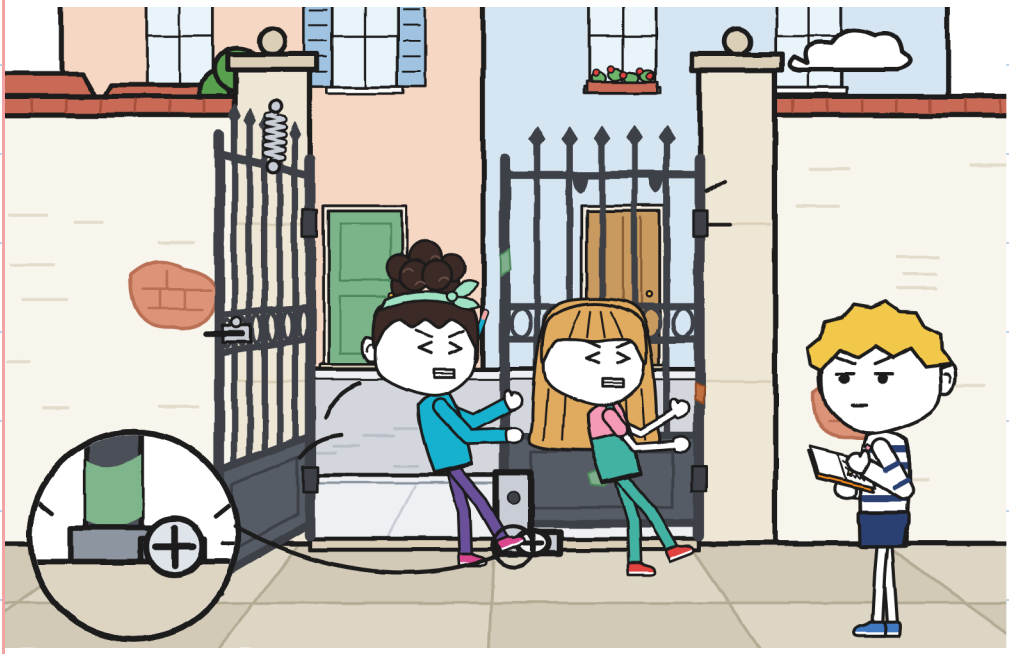

मैंने नहीं खींची।

मैंने लकीरों की क़तार देखी। एक कम थी, मेरी।
मंगलवार को मैंने चुप रहना तय किया था।

मेरे बिना तय हुआः||||

उनके बिना तय हुआः|



“लेबल ग़लत नहीं है,” मैंने कहा।
“आँगन का एक और दरवाज़ा
है। मुझे मंगलवार को मिला था।”
“मंगलवार को?” जूलिता ने कहा।
“मैंने इसे बाद में सही साबित
होने के लिए रख लिया था।”

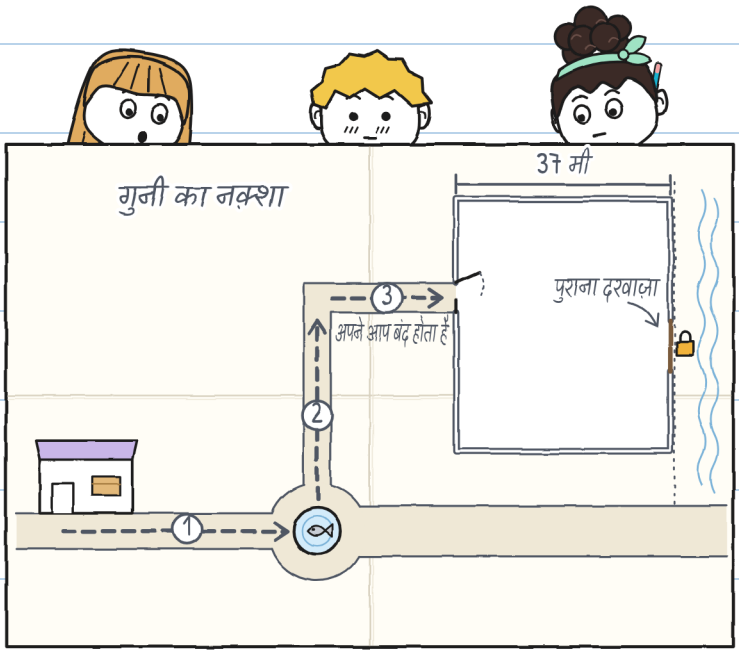

“ठीक है,” नोआ ने कहा।

जूलिता ने “ठीक है” नहीं कहा।

वह एक पैर हिला रही थी।

“कल हमें इसकी बहुत

ज़रूरत थी,” जूलिता ने कहा।

“हाँ।”



तब तक वह सच नहीं था। –ज.

हम दरवाज़ा देखने गए। नोआ ने चौंसठ
क़दम गिने। मैंने सैंतीस मीटर नापे।

वह लकड़ी का है। उसके ताले
पर ताले से ज़्यादा ज़ंग है।



आइरीन को एक पीला पन्ना मिला।

“पहले दो जगह से अंदर आते थे।”

“वह एक पुराना पता था,” मैंने कहा।

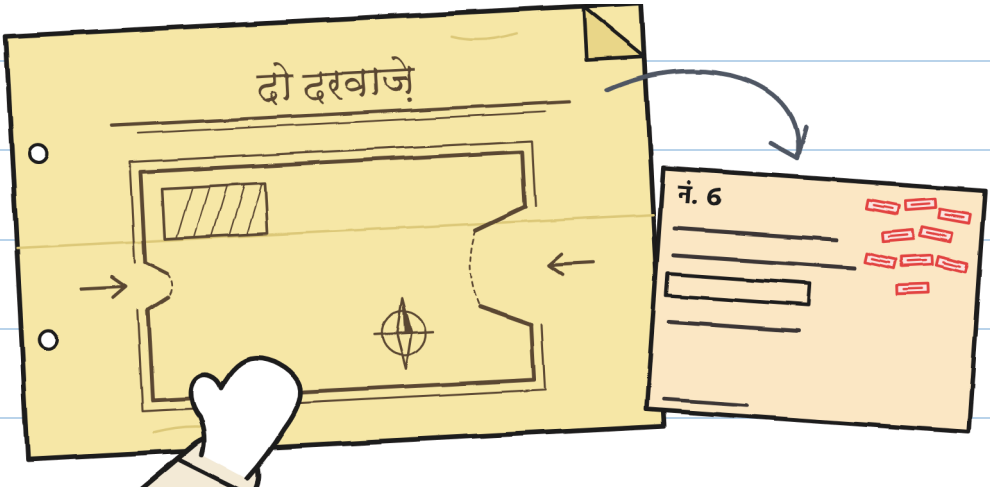

मारा ने उसे नौ बार देखा। –ज.

चाबी एक लिफ़ाफ़े में थी।

आइरीन ने ताला खोला।

खिड़की से एंटोनियो अंकल
दिखे। वे थोड़े खर्राटे ले रहे थे।

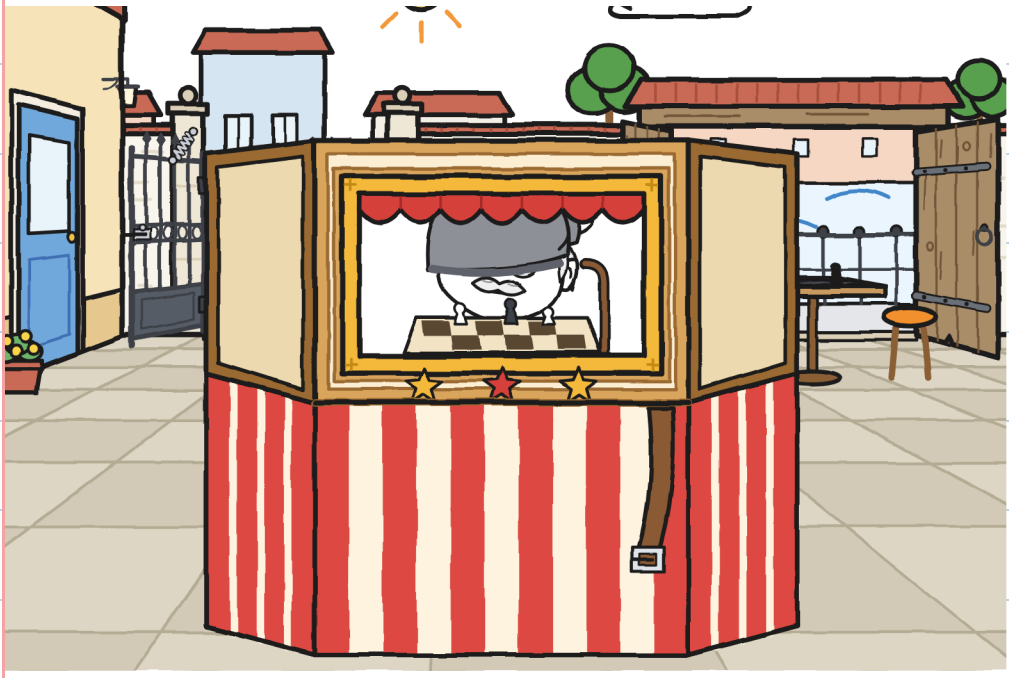

“शनिवार को मैं दोनों खोलती हूँ: साइकिलें
पुराने दरवाज़े से,” आइरीन ने कहा।
“तुम क्या कहते हो?” जूलिता ने मुझसे पूछा।
पूरे हफ़्ते में यह पहली बार था।



मैंने कहा फाटक, पर अभ्यास के साथ।
नोआ ने भी वही। जूलिता ने कहा "ठीक है।"
हमने मीटर में एक खाना जोड़ा।

चार खानों वाला मीटर

	उठाना 	दिशा बताना 	रास्ता खोलना 	आगाह करना 
आँगन, दूसरी कोशिश	जूलिता और नोआ	जूलिता और नोआ	गुनी	गुनी नहीं
दुकान → फ़व्वारा	गुनी और नोआ	जूलिता	जूलिता	कोई नहीं

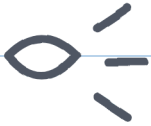 आगाह करना: जो तुम जानते हो

चौथा खाना मुश्किल है। –ज.

हम फ़व्वारे से होकर लौटे। मैं
लंगड़ी मछली के सामने रुका।

“मुझे कहानी सुनाओगी?” मैंने पूछा।
“शनिवार को,” नोआ ने कहा।
यह “ना” नहीं थी।

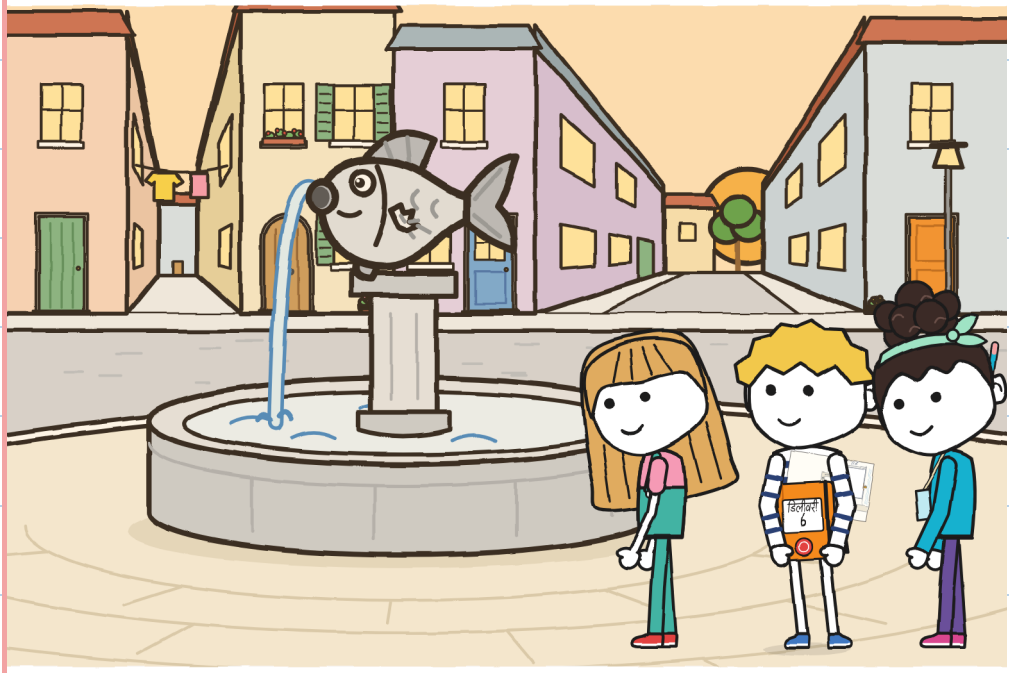

अध्याय ५

क्या कोई भी राह दिखा सकता है?

टोन्यो घड़ी और "बिजली" का फ़ॉर्म लाया।

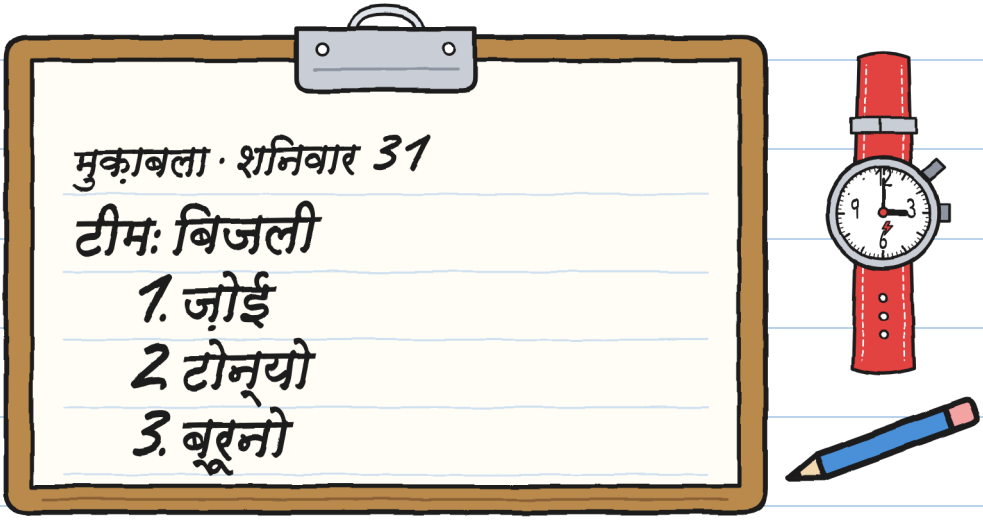

"इसे ज़ोई ने लिखा," टोन्यो ने कहा। ब्रूनो ने कहा: "ब से।"

"आज मैं समय नापता हूँ," टोन्यो ने कहा।

नोआ ने कहा: बारी-बारी। मैंने कहा:
जो उठा नहीं रहा, वह दिशा बताए।
जूलिता ने कहा: अभी शुरू करो!
"पहले दिशा कौन बताएगा?"
हम तीनों ने इशारा किया। हर
किसी ने किसी और की ओर।

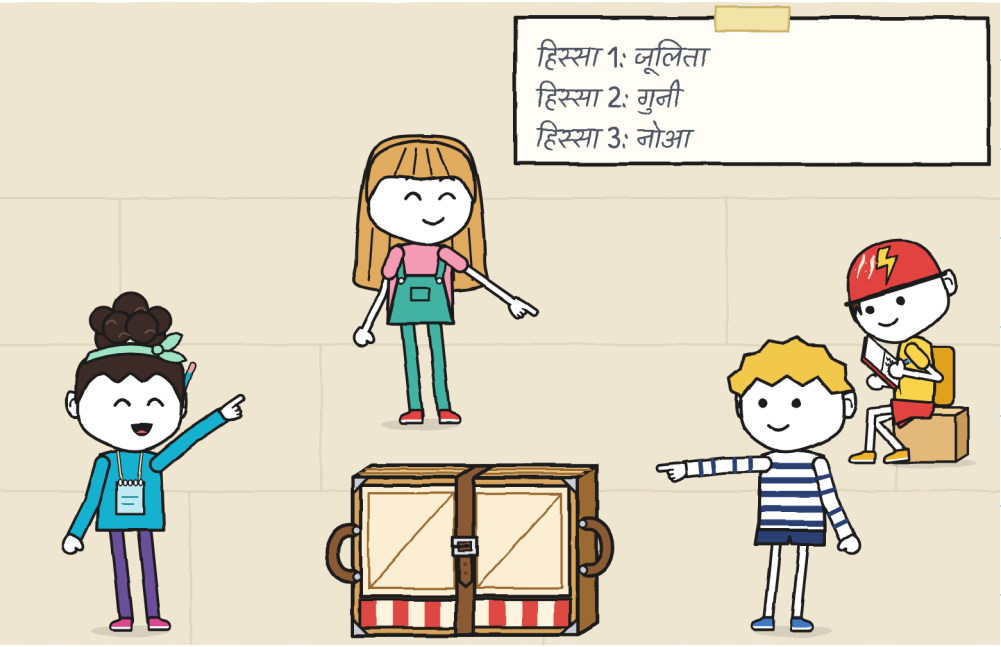

“मैंने एक निर्देश दिया जो सिर्फ़
नोआ समझती थी,” जूलिता ने कहा।
“फिर मैंने कहा: ‘गुनी खो गया है।’”
“ठीक है,” मैंने कहा।
“मछली का कौन-सा पंख नहीं है?”
“बायाँ,” जूलिता ने कहा।

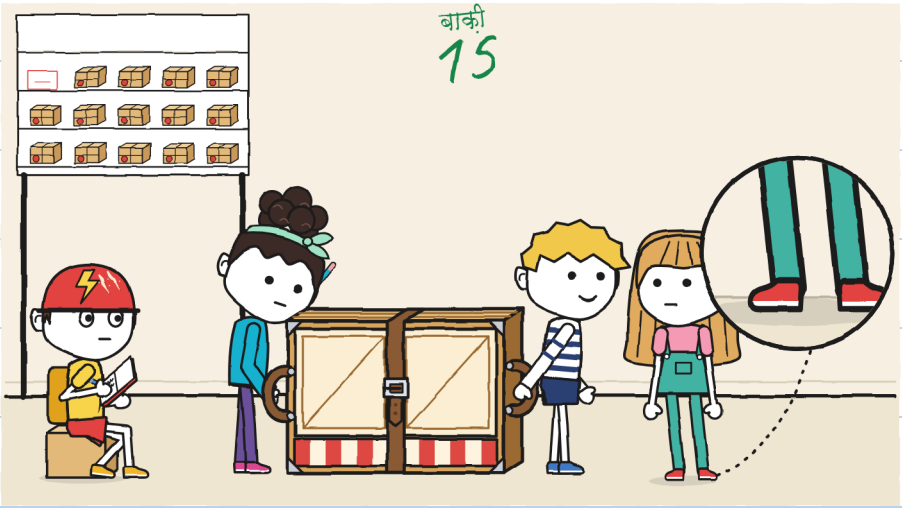

मेरे पैर देखो: स्थिर। —ज.

पहला हिस्सा। नोआ ने पट्टा दूसरे छेद में बाँधा।

“पाँच क़दम... बाएँ मोड़!”

“पट्टा!” नोआ ने कहा।

हम लंगड़ी मछली के चारों

ओर घूमे। कोई क्लैक नहीं।

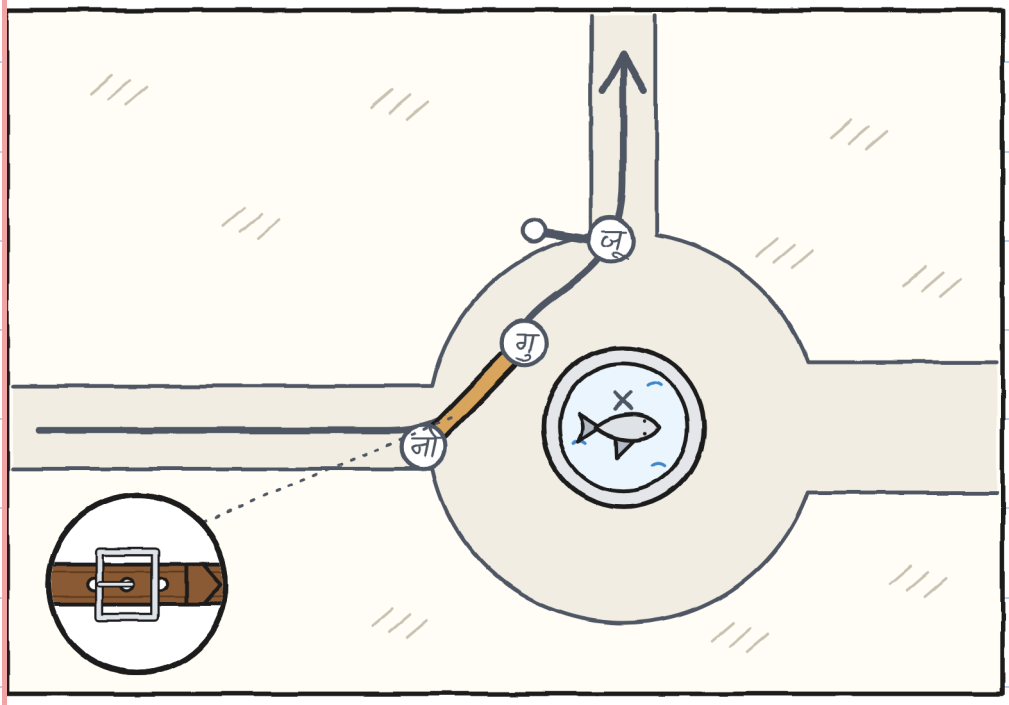

दूसरा हिस्सा। जूलिता और नोआ
उठा रही थीं। दिशा मैं बता रहा था।
मैं ऐसे दिशा बताता हूँ:
"तीन क़दम, रुको, कर्ब, चढ़ो।"
जूलिता आगे चल रही थी, चुप।
उसका पैर छोटा रास्ता चाहता था।

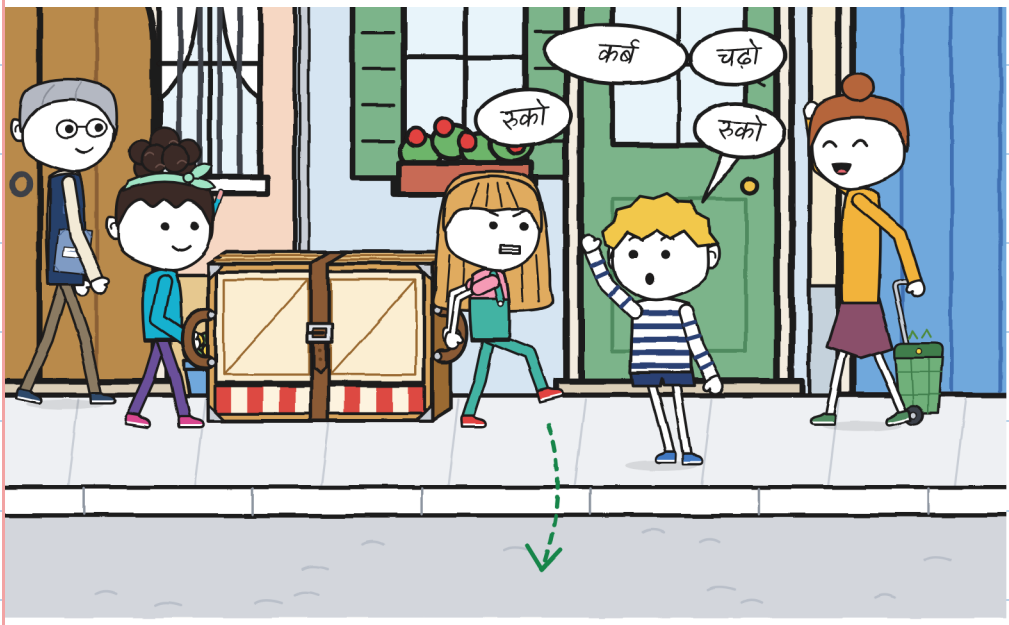

“ग्यारह मिनट,” टोन्यो ने कहा।
मैंने पहली बार रास्ता दिखाया।
कुछ दोहराना नहीं पड़ा।
“तुमने ‘रुको’ चौदह बार
कहा,” जूलिता ने कहा।

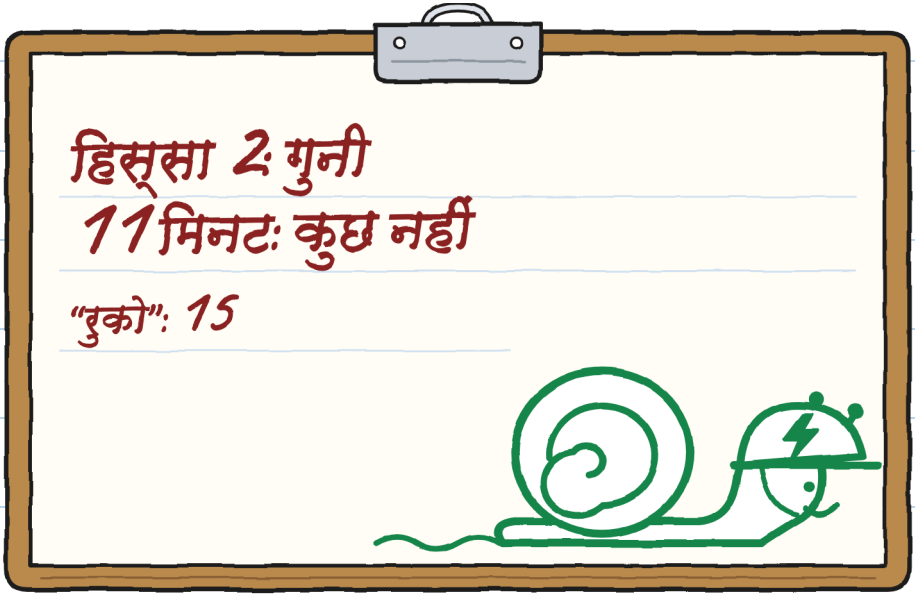

मैंने किसी पर बहस नहीं की। –ज.

तीसरा हिस्सा। जूलिता और मैं उठा
रहे थे। नोआ दिशा बता रही थी।

नोआ नहर वाली गली में रुक गई।
"नक़्शा हमें पुराने दरवाज़े पर भेजता है।"



हमने छोटे थिएटर को ज़मीन पर रख दिया।
पहले रखा जाता है; फिर बहस होती है।
“यह पुराना नक़्शा है,” मैंने कहा।

फाटक तक: 42 क़दम, 24 मीटर।

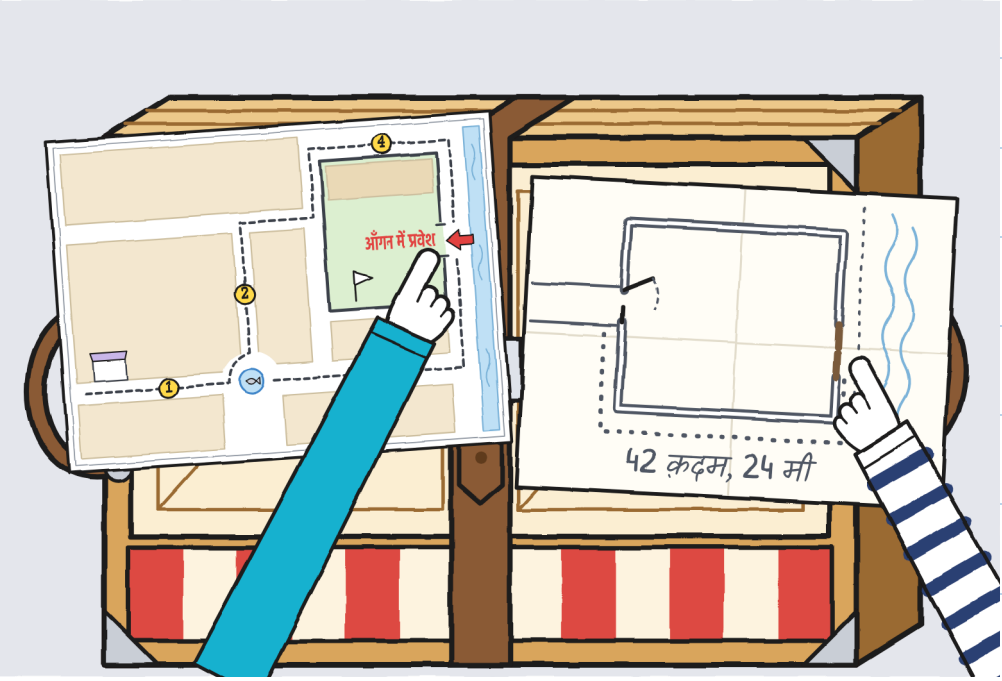

“आइरीन को बता दें?” जूलिता ने पूछा।
“और बाक़ी को भी,” नोआ ने कहा।

आइरीन ने लाल मार्कर से नक़्शे ठीक किए।



हमने तीसरा हिस्सा फाटक तक दोहराया। नोआ दिशा बता रही थी, रास्ता खोल रही थी और आगाह कर रही थी।

"रुको! मैं पल्ला पकड़ती हूँ! निकलो!"

हम निकल गए।

	उठाना 	दिशा बताना 	रास्ता खोलना 	आगाह करना 
नुक्कड़ → आँगन	गुनी और जूलिता	नोआ	नोआ	नोआ: "नक़्शा ग़लत है"

नोआ ने चौथा खाना भरा।

नोआ ने फाटक पकड़ा। –ज.

टोन्यो ने हमें अपना पन्ना दिखाया।

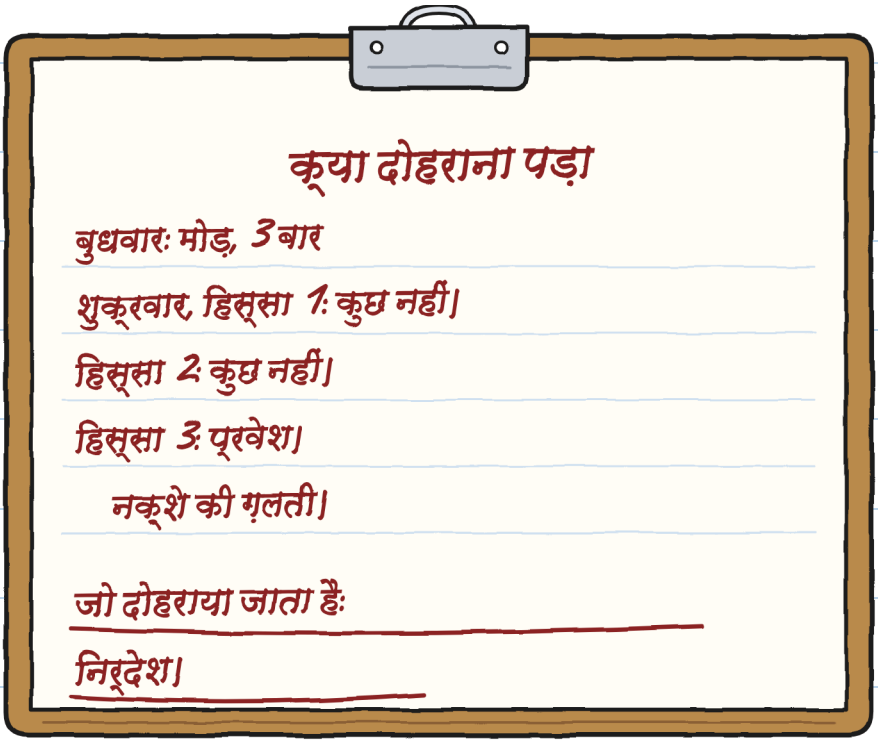

"यह एक राय है," जूलिता ने कहा।

"यह एक तथ्य है," टोन्यो ने कहा।

टोन्यो ने हेलमेट पहना

और चला गया। टिलिन।

रात को मारा ने छोटा थिएटर
रख दिया। नोआ ने बकल देखा।
"कल, तीसरे छेद में," नोआ ने कहा।
आज मैंने लकीरें नहीं बनाईं। मैंने
चार असहमतियाँ गिनीं। एक जीती।

मेरे बिना तय हुआ: ||||
उनके बिना तय हुआ: |

शुक्रवार।
असहमतियाँ: ५।
कही गईं: ५।
जीती गईं: 1।



ज़मीन वाली बात मैं तुम्हें तोहफ़े में देती हूँ। –ज.

अध्याय 5

क्या पहले पहुँचना ज़रूरी है?

शनिवार को मैंने नारंगी टी-शर्ट पहनी।
ग्यारह बजे आँगन के दोनों
दरवाज़े खुले थे। आइरीन ने कहा:
"सामान के साथ दौड़ते नहीं।"

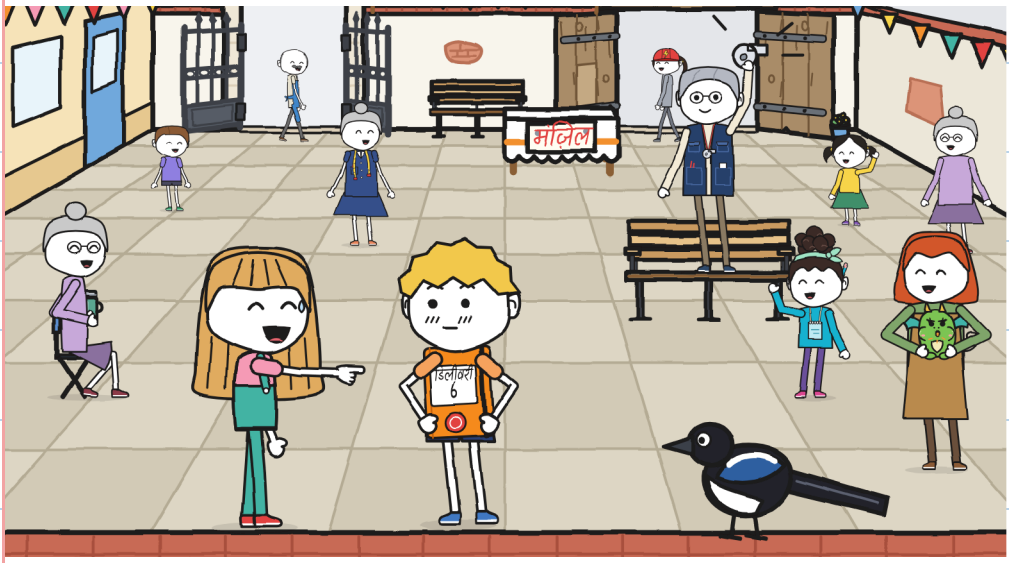

पाँच टीमें थीं। "बिजली" के पास एक लिफ़ाफ़ा था। कोरस के पास एक म्यूज़िक स्टैंड।

नोआ ने हमारी टीम लिखी:

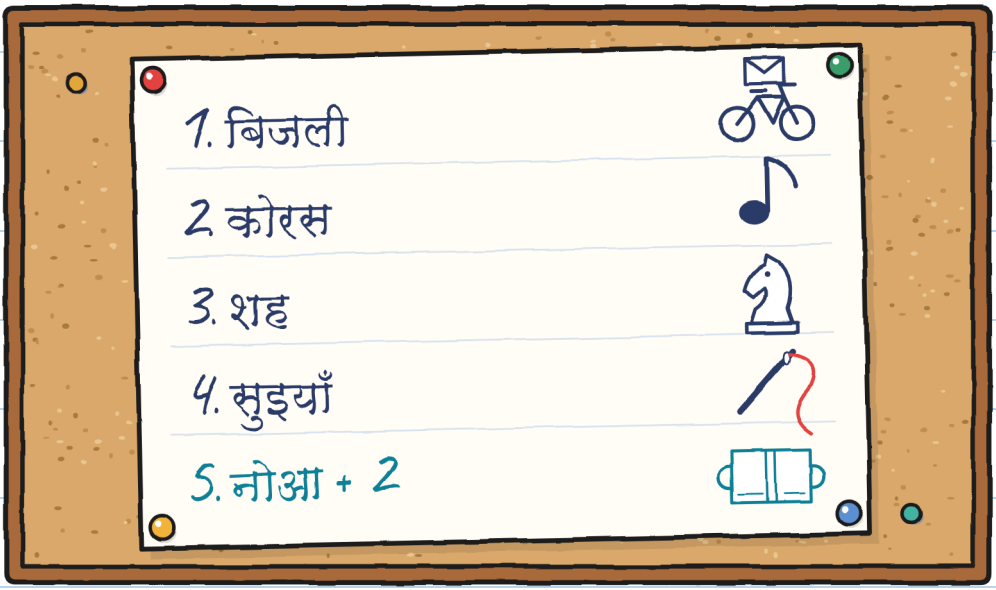

"हम 'नोआ + 2' हैं," मैंने कहा।
"मैं 2 हूँ," जूलिता ने कहा।

नोआ ने पट्टा जल्दी बाँधा। क्लैंक!

“नीचे रखो,” मैंने कहा।

नोआ ने पट्टा फिर बाँधा, तीसरे छेद में।

एंटोनियो अंकल ने टोपी नीचे की: रवानगी।

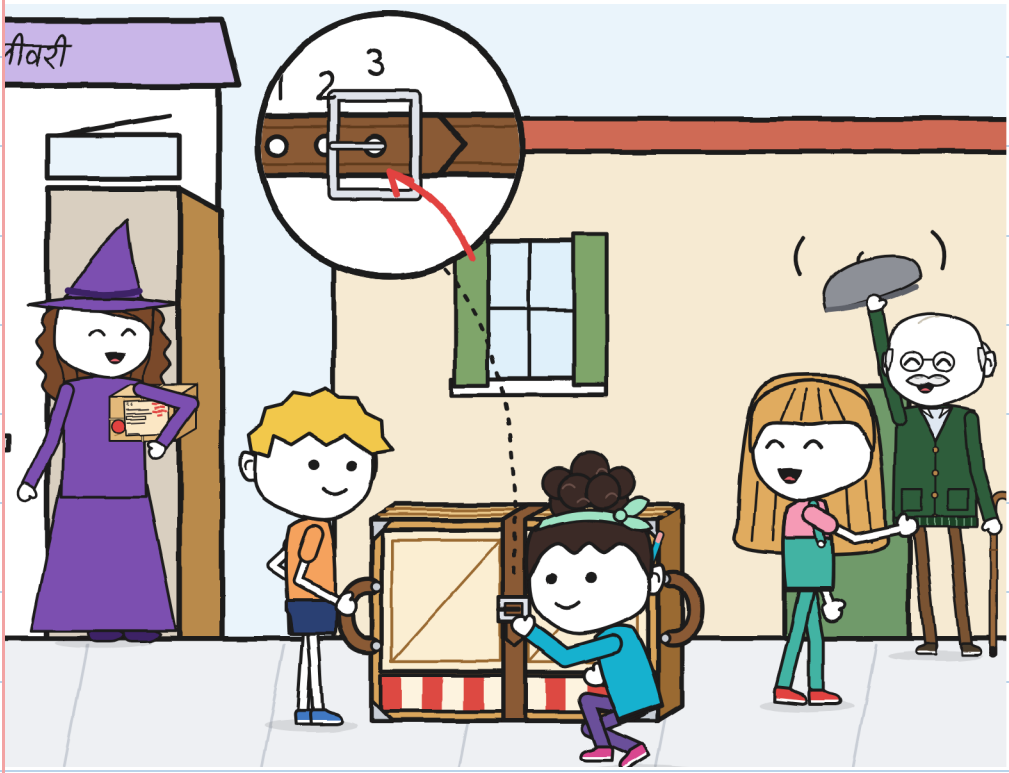

पहला हिस्सा। जूलिता दिशा बता रही थी।

“बाएँ मोड़।”

ज़ोई साइकिल पर आई। उसने ब्रेक लगाया।

“तुम लोग निकलो।”

हम बीस सेकंड आगे रहे।

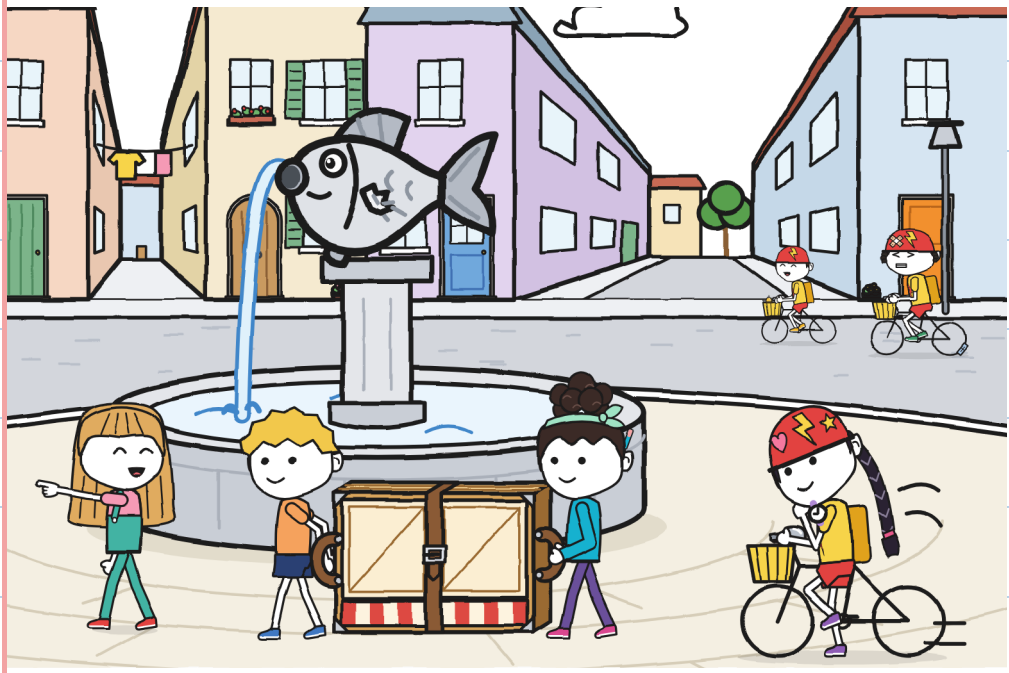

हर स्टेशन पर एक कार्ड पर मुहर लगती थी।
एलिया आटे से भरे अँगूठे से मुहर लगाती थीं।
“बिजली” हमारे आगे से तीन बार
निकली। टोन्यो घंटी बजा रहा था।

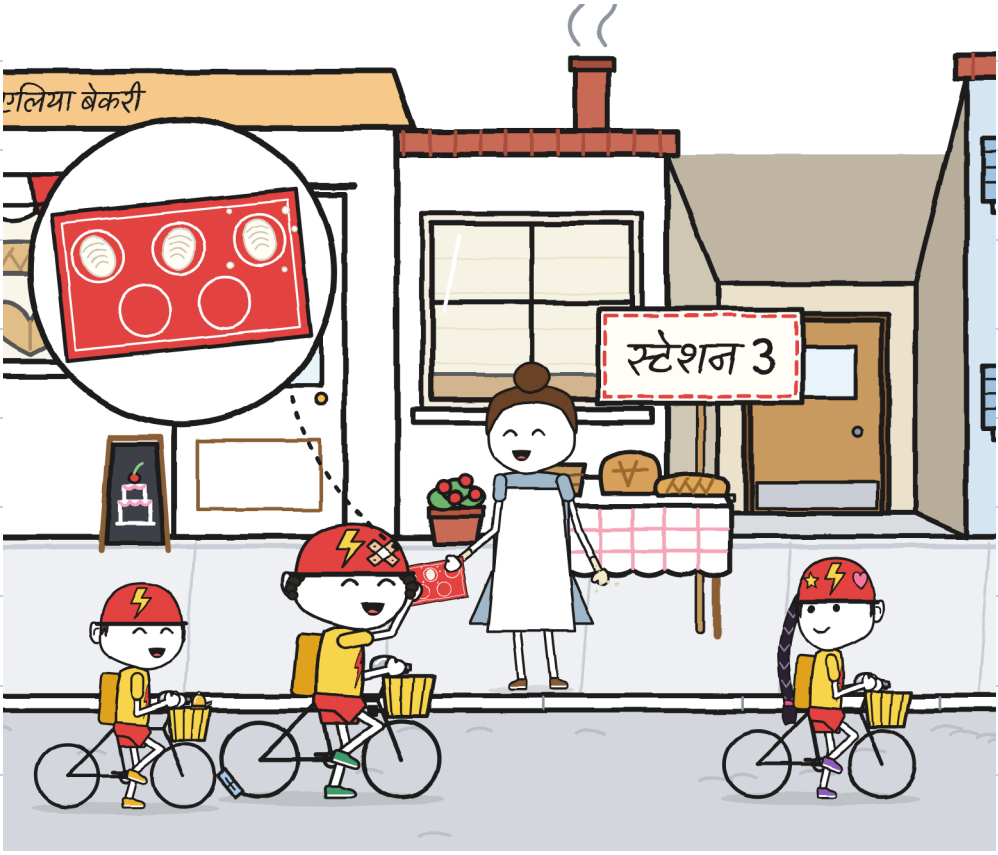

कोरस हमसे आगे निकल गया।

“क्या पहले पहुँचना ज़रूरी है?”

“लेबल पर ‘तह’ लिखा है,” नोआ ने कहा।

जूलिता दौड़ी नहीं। यानी: उसका एक

पैर चल पड़ा। वह उसे वापस ले आई।

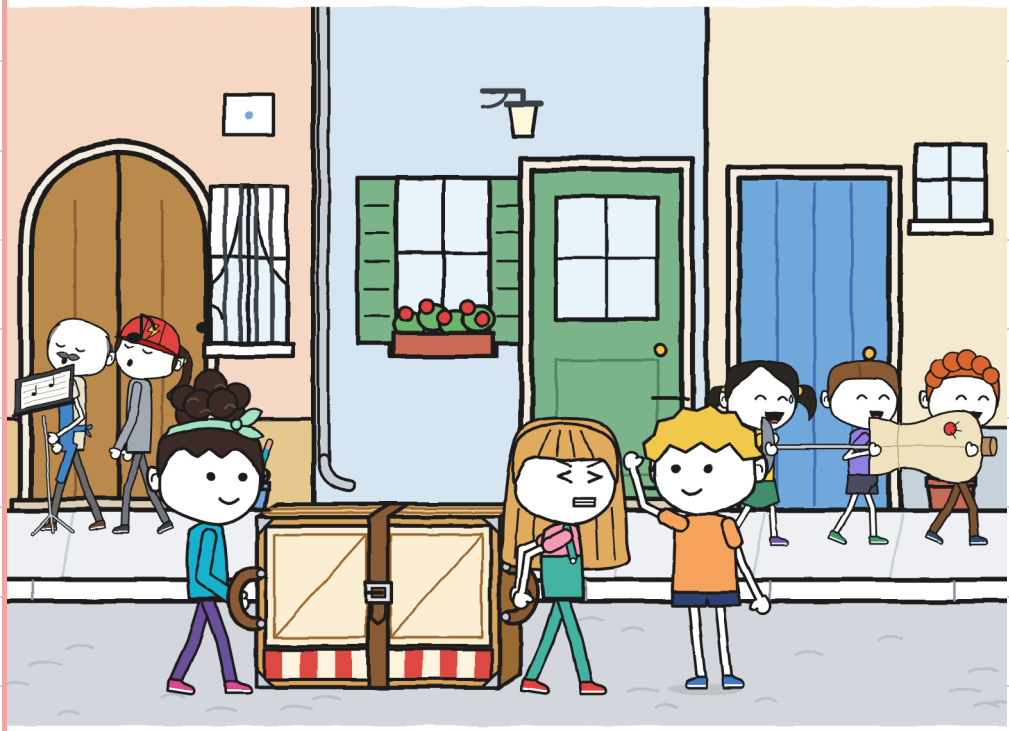

तीसरा हिस्सा। नोआ ने
फाटक तक दिशा बताई।
“रास्ता कौन खोलेगा?” जूलिता ने पूछा।
जूलिता ने फाटक पकड़ा।
“रुको! निकलो!”
हम निकल गए। तह होकर। पूरा।

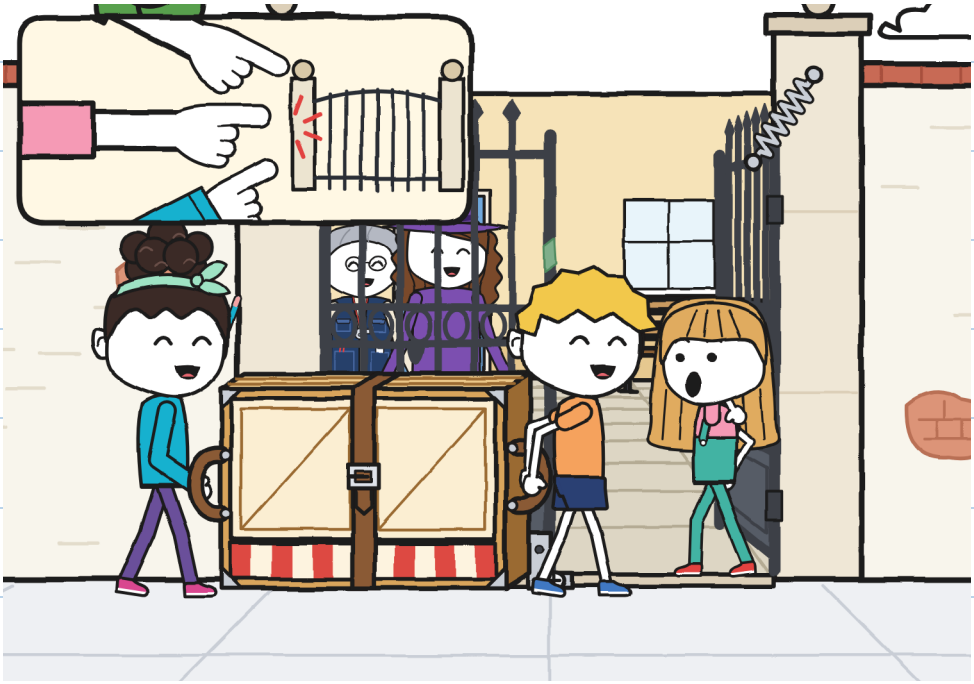

“इकतालीस मिनट,” आइरीन ने कहा।
“बिजली” को चौदह मिनट लगे।
आइरीन ने तह किए हुए छोटे थिएटर को देखा।
“मेरे काम का है,” उन्होंने
कहा। और दस्तख़त कर दिए।

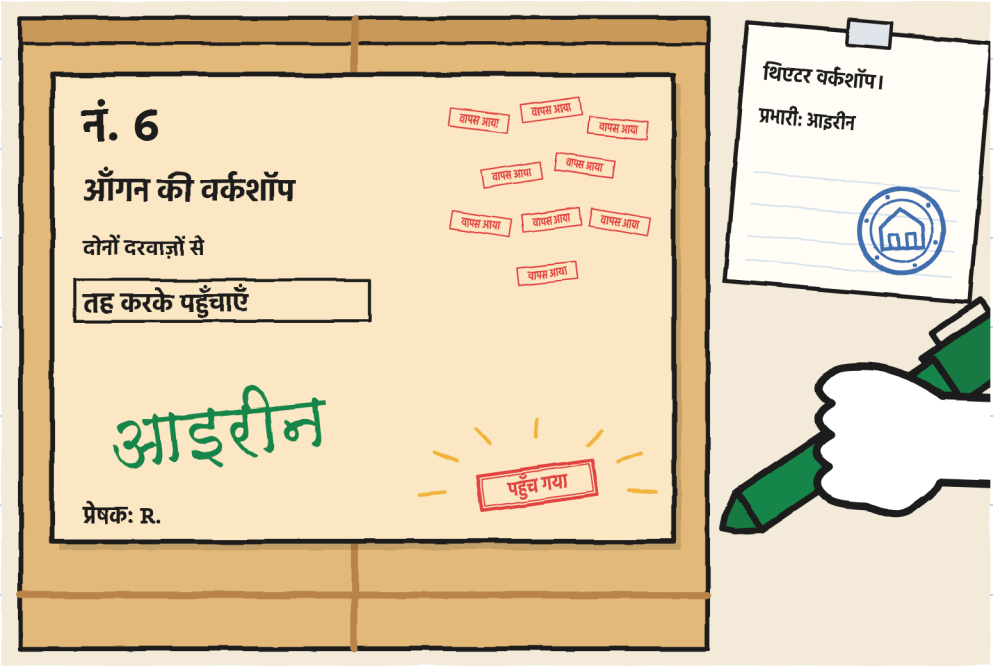

“पहुँच गया” उभर आया। किसी ने नहीं लिखा।

आइरीन ने इन्वेंटरी खोली। छोटे थिएटर की एक पुरानी पंक्ति थी।

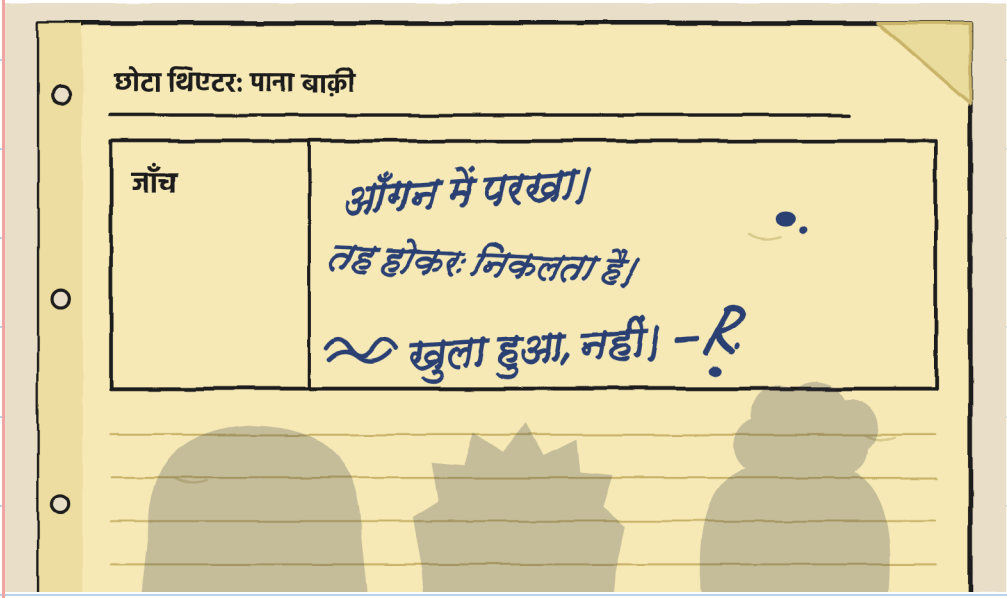

"यह मुझसे पहले की है," आइरीन ने कहा।

R. ने उस आँगन में छोटे थिएटर को परखा था।

R. की आदत: दरवाज़े नापना। मैं लिख लेती हूँ। –ज.

“बिजली” जीती, एक भी हिस्सा दोहराए
बिना। इनाम: एलिया की एक ब्रेड।

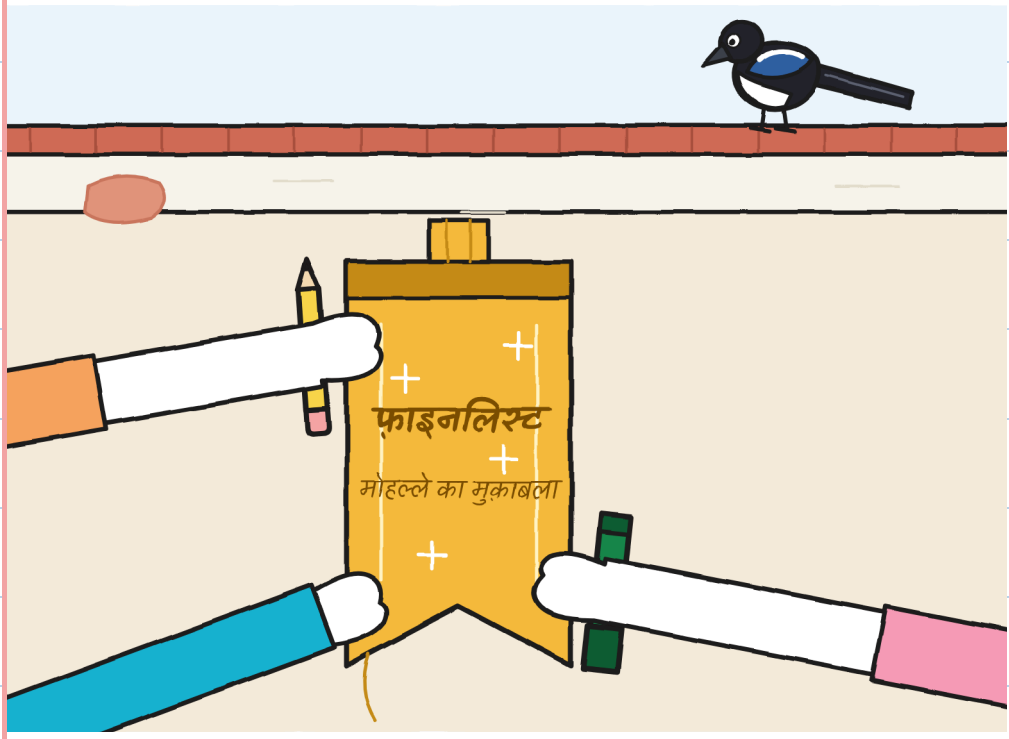

“फ़ाइनलिस्ट मतलब
आख़िरी,” जूलिता ने कहा।
“मतलब जो पहुँचता है,” नोआ ने कहा।

“हम इसे पहली बार इस्तेमाल
करते हैं,” आइरीन ने कहा।
नाटक गढ़ने के लिए दो मिनट।
“कौन कम बोलना चाहता है?”
मैंने हाथ उठाया।
चूरा एक पैनल पर बैठ गई।



हमने एक नाटक किया। नोआ
सारे दरवाज़े थी। मैं पार्सल था।
मैंने नौ बार "वापस आया" कहा।
हम तीनों समा गए। सटकर।



एक को सटना पड़ता है। –ज.

अध्याय 6

मुक़ाबला ख़त्म होने पर क्या बचता है?

हम दुकान लौटे।

"क्या मैं?" जूलिता ने पूछा।

उसने 15 काट दिया और 14 लिख दिया।

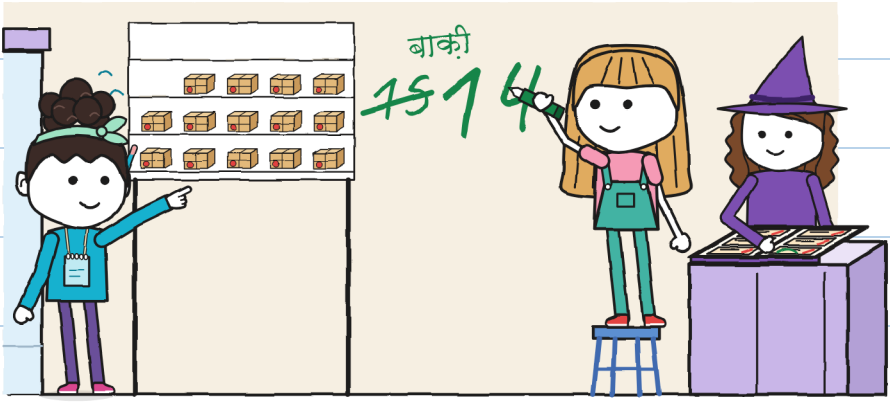

नोआ ने उन्हें धीमे से गिना: चौदह। –ज.

टोन्यो नतीजे लाया। मैंने उन्हें लिख लिया।

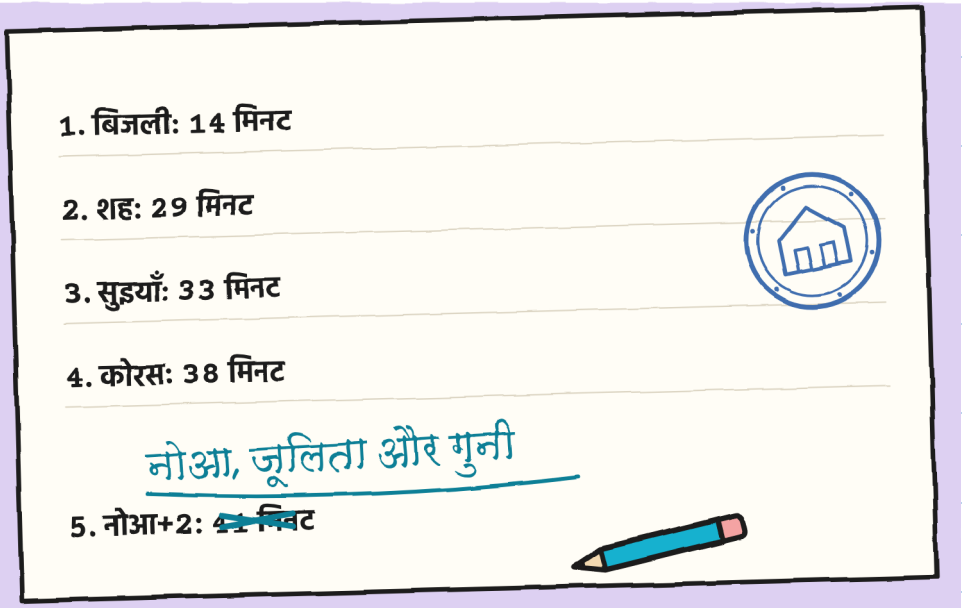

मैंने उसे दो बार देखा। "ब्रूनो" पूरा था।

नोआ ने अपनी फ़िरोज़ी पेंसिल
से हमारी टीम ठीक की।

मैंने R. के कार्ड में एक सुराग़ जोड़ा।

"छोटे थिएटर को परखा," टोन्यो ने कहा।

"मेरी घंटी को नहीं।"

R. के बारे में हम जानते हैं



R.



सुराग़ 1–11

12. छोटे थिएटर को परखा।
भेजने से पहले परखा।
यह इन्वेंटरी में है।

बकाया: एक सफ़ाई

मुझे भी। –वे.

देर से, पर समाता है। –ए.

मैंने नक़्शा काउंटर पर रखा।

“तुम्हारा हिस्सा नहीं है,” मैंने नोआ से कहा।

“क्या मैं इस पर बना
सकती हूँ?” नोआ ने पूछा।

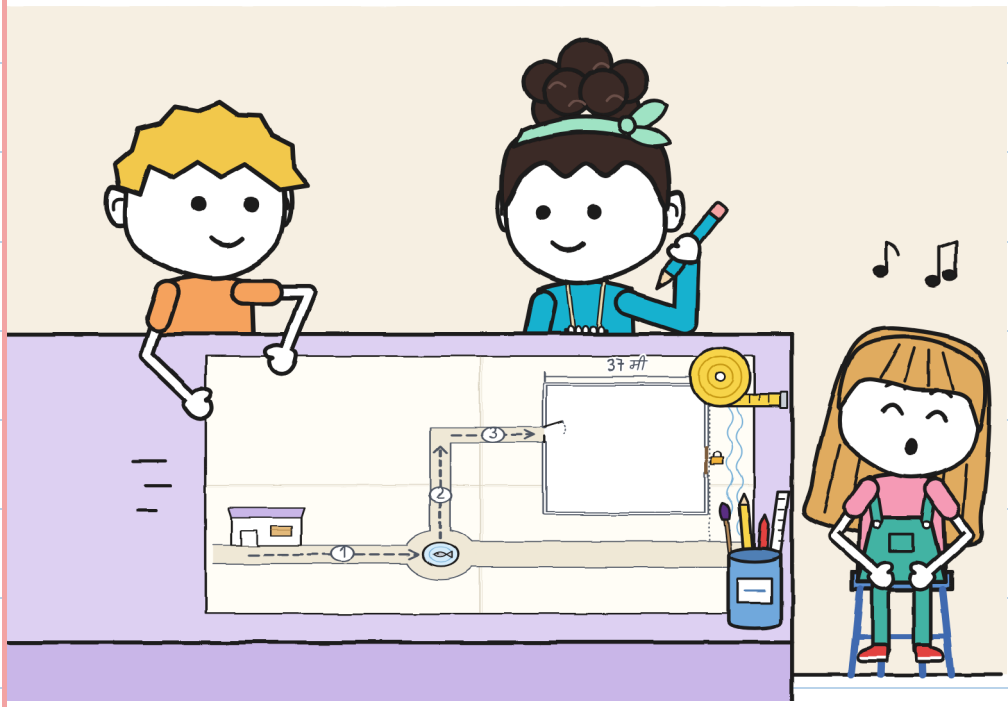

नोआ ने अपनी गली और क़दम जोड़ दिए। मैंने मीटर लिखे।

तीनों का नक़्शा

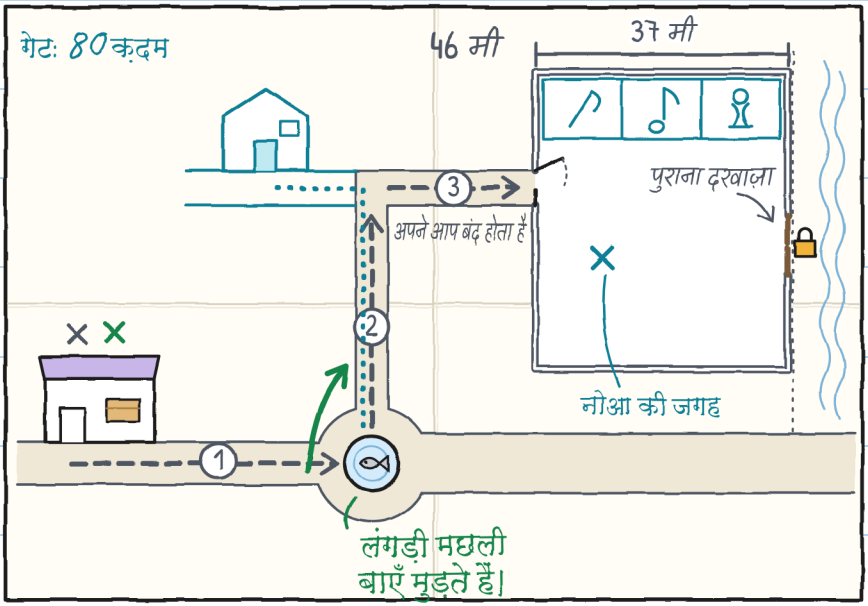

उन्होंने मुझे लंगड़ी मछली की कहानी सुनाई। अब मुझे आती है।

वह बहुत बढ़िया है। हमने बुरी तरह सुनाई। –ज.

जूलिता ने रिबन कलाई पर बाँध
रखा था। उसके धागे खुले हुए थे।
हमने उसे "साझा" के नीचे चिपका दिया।

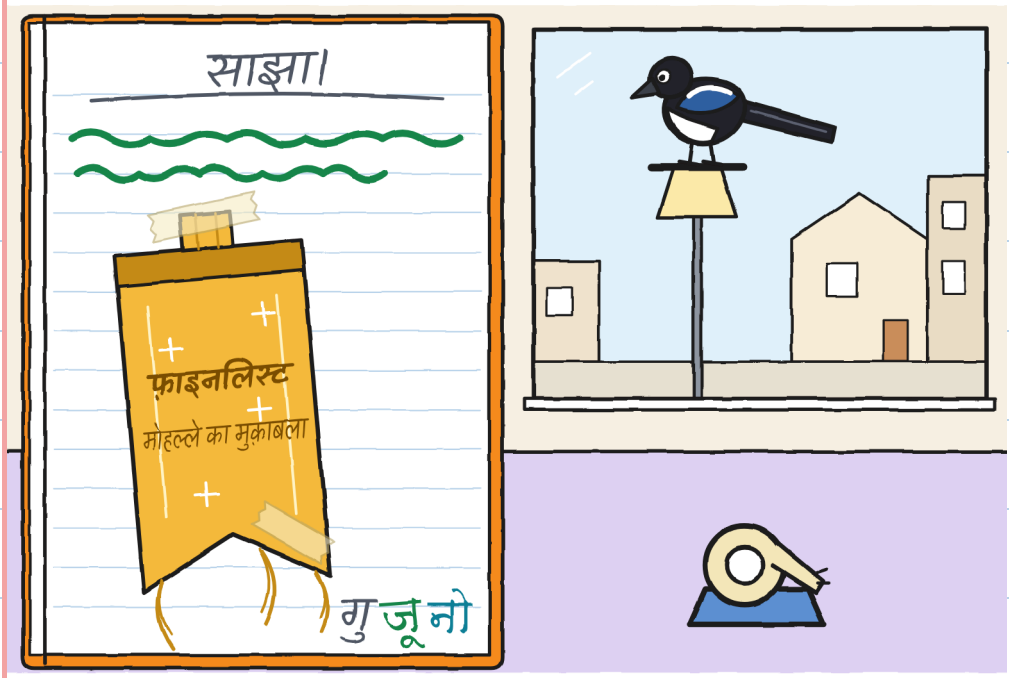

मेरी डायरी कम अच्छी तरह बंद होती है। –ज.

नोआ ने पढ़ा: "फाटक को
पत्थर भी रोक सकता है।"
"पत्थर 'कर्ब' नहीं कहता," उसने कहा।
मैंने लकीरें नहीं मिटाईं।



इन्हें मत मिटाओ। ये मेरी हैं। –ज.

रविवार को भोर में नोआ ने निगरानी रखी। नौ बजे वह एक पर्ची लाई।

7:38: छोटा थिएटर, तह।

7:44: सुबह हो रही है। हिलता नहीं।

7:50: वहीं है। क़दम शून्य।

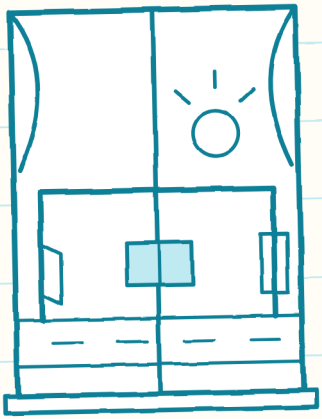



वह निगरानी करती है और मुझसे अच्छा गिनती है। –ज.

मारा ने शटर थोड़ा उठाया। मैंने शेल्फ़ बनाई: चौदह पार्सल और छह ख़ाली जगहें। नोआ दरवाज़े के पास खड़ी रही।

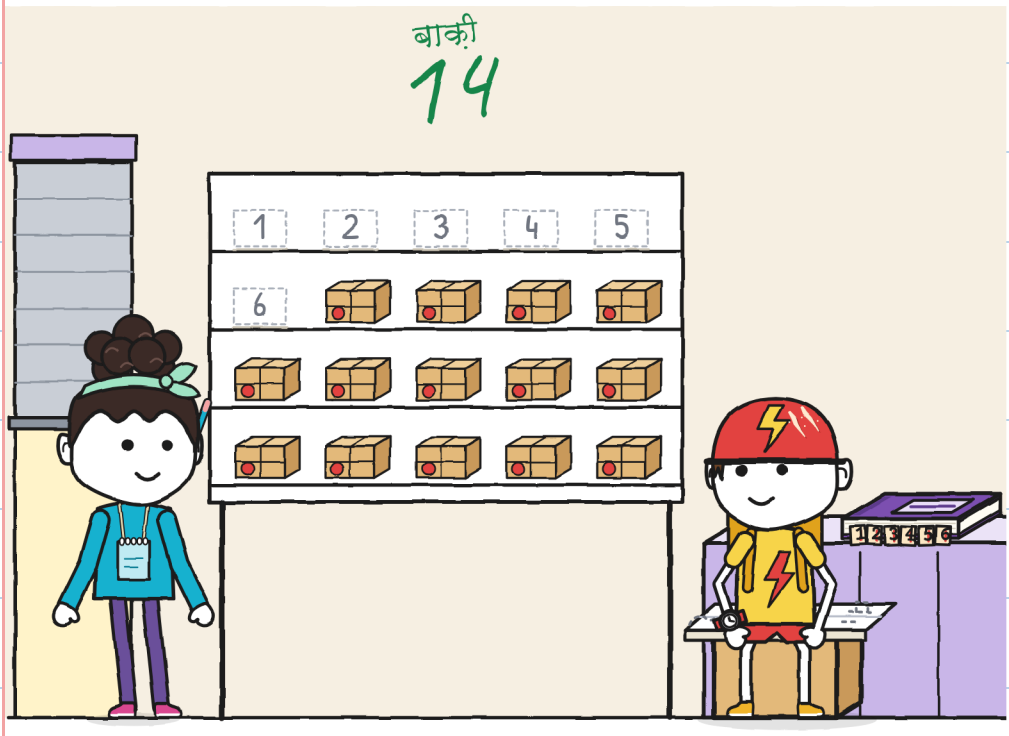

आख़िर में मैंने छोटे थिएटर
की ख़ाली खिड़की बनाई।
सबने ख़ुद को अंदर बनाया, अपने रंग में।

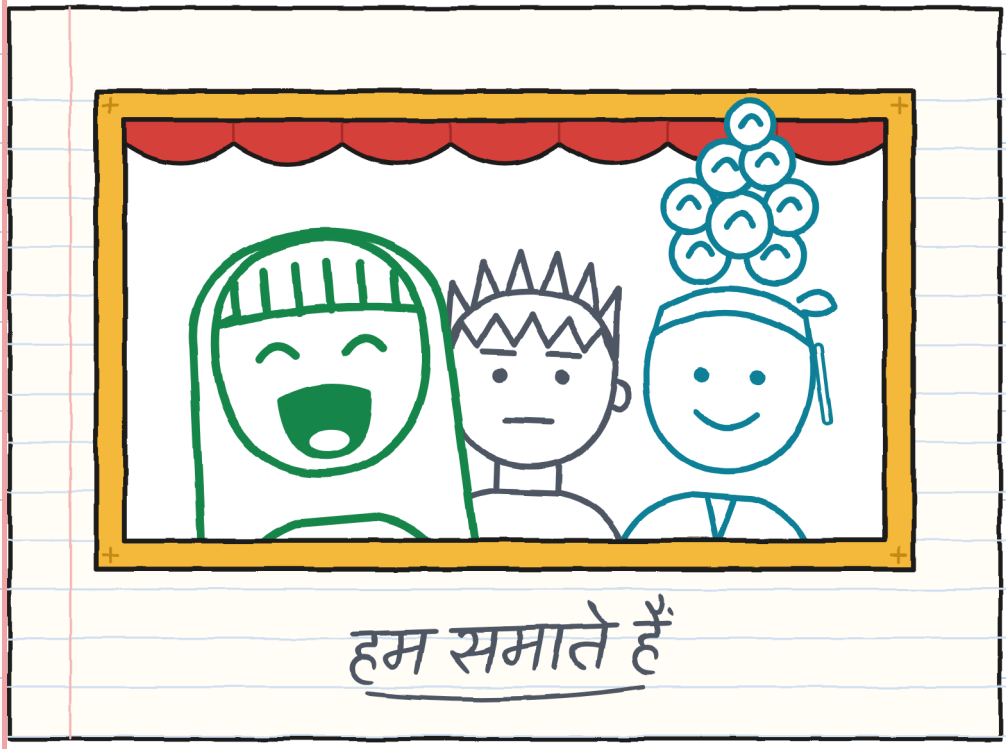

साझा तो साझा है। –ज.

हिस्सा-दर-हिस्सा:

हिस्सा		किसने उठाया	किसने राह दिखाई	क्या दोहराना पड़ा
	दुकान → लंगड़ी मछली वाला फ़व्वारा	गुनी और नोआ	जूलिता	मोड़ (तीन बार)
	फ़व्वारा → नुक्कड़	जूलिता और नोआ	गुनी	कुछ नहीं (पर धीरे)
	नुक्कड़ → आँगन	गुनी और जूलिता	नोआ	प्रवेश: नक़्शा पुराना था
	शनिवार	तीनों	तीनों, बारी-बारी से	पट्टा (तीसरा छेद)
	हमसे पहले	मारा, अकेले	कोई नहीं	नौ सफ़र
	R.	?	?	हमें नहीं पता

	उठाना 	दिशा बताना 	रास्ता खोलना 	आगाह करना 
1	गुनी और नोआ	जूलिता	जूलिता	जूलिता
2	जूलिता और नोआ	गुनी	गुनी	गुनी
3	गुनी और जूलिता	नोआ	नोआ	नोआ

कोई ख़ाली नहीं। –ज.

नामुमकिन डिलीवरी · 7

(बहुत जल्द)



उस वक़्त मैं पहले से पजामे में होता हूँ।

मेरे अलावा कौन जागता है? –ज.

मोहल्ला (संस्करण 6)

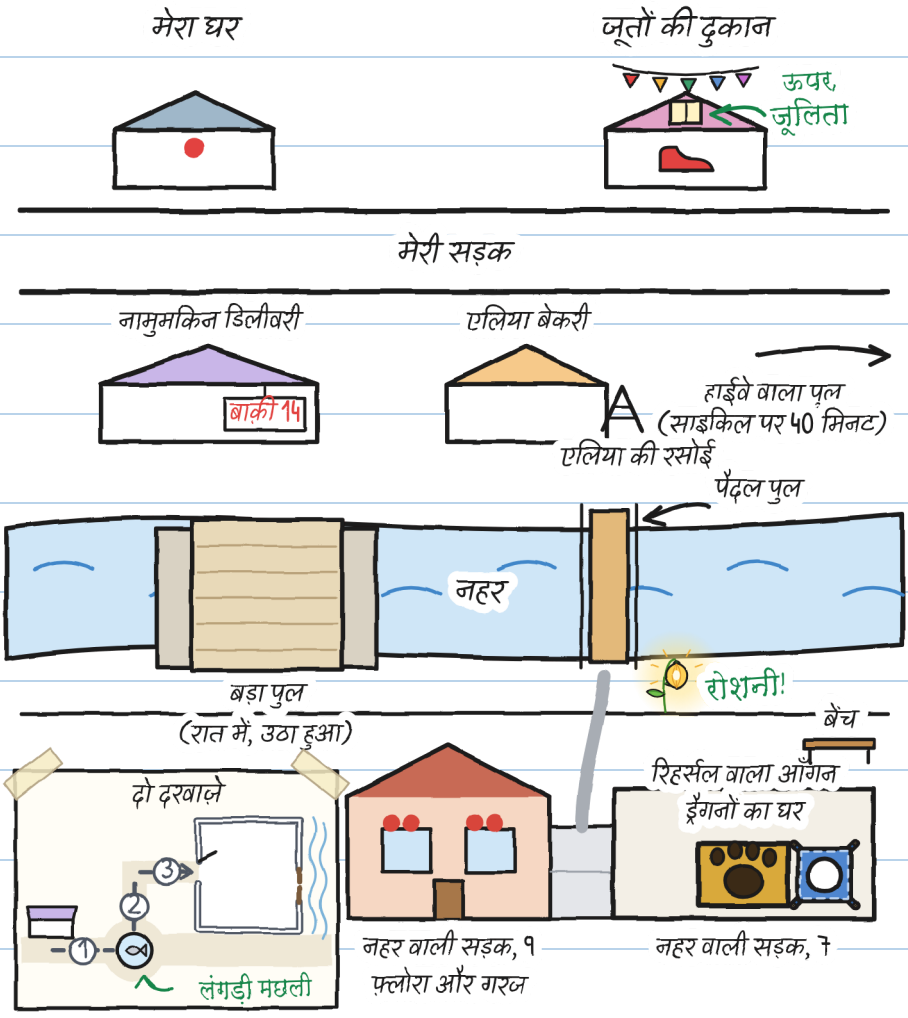
मेरा घर
जूतों की दुकान
ऊपर, जूलिता
मेरी सड़क
नामुमकिन डिलीवरी
बाक़ी 14
एलिया बेकरी
हाईवे वाला पुल
(साइकिल पर 40 मिनट)
एलिया की रसोई
पैदल पुल
नहर
रोशनी!
बड़ा पुल
(रात में, उठा हुआ)
बेंच
रिहर्सल वाला आँगन
ईगनो का घर
दो दरवाज़े
1
2
3
लंगड़ी मछली
नहर वाली सड़क, १
फ़्लोरा और गरज
नहर वाली सड़क, ७

तुम्हारा सफ़र

उठाता कौन है? दिशा कौन बताता है?

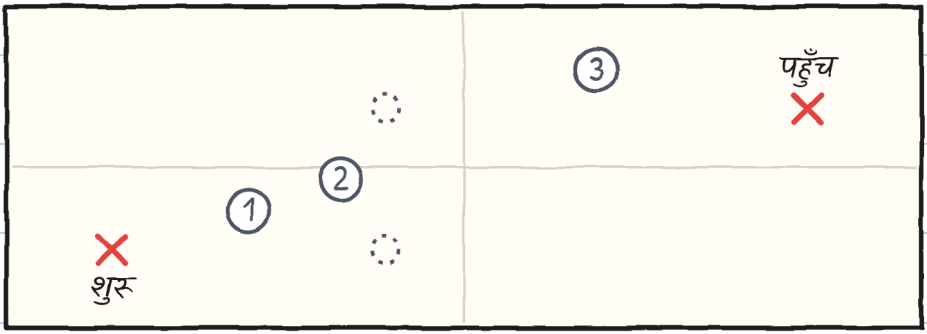

तीन का मीटर

	उठाना	दिशा बताना	रास्ता खोलना	आगाह करना
हिस्सा 1				
हिस्सा 2				
हिस्सा 3				

दोहराया हुआ नाम बदल दो। –ज.

एक कहानी, छह साइज़

इसके छह साइज़ हैं, 3 से 16 साल तक, और 20 से ज़्यादा भाषाएँ।

साइज़ XXS · PRE-A1
गुनी ने एक शब्द लिखा और जगह छोड़ दी। क्या तुम्हें "साझा" शब्द दिख रहा है?

साइज़ XS · A1
मैंने बस एक शब्द लिखा। आधा पन्ना ख़ाली छोड़ा। वह एक मिनट भी ख़ाली नहीं रहा।

साइज़ S · A2
पहले पन्ने पर मैंने एक शब्द लिखा। आधा पन्ना ख़ाली छोड़ दिया, कि क्या पता। वह एक मिनट भी ख़ाली नहीं रहा।

साइज़ M · B1
पहले पन्ने पर मैंने बस एक शब्द लिखा। आधा पन्ना ख़ाली छोड़ दिया, कि क्या पता। वह एक मिनट भी ख़ाली नहीं रहा।

साइज़ L · B2
पहले पन्ने पर मैंने बस एक शब्द लिखा और आधा पन्ना ख़ाली छोड़ दिया, कि क्या पता। वह एक मिनट भी ख़ाली नहीं रहा।

साइज़ XL · B2–C1
सचित्र उपन्यास · 13+
CEFR *के स्तर केवल मार्गदर्शन के लिए हैं।*

हर कोई अपने साइज़ में। —ज.

परिवारों और शिक्षकों के लिए
हर अध्याय का अभ्यास linguaula.com *पर करो*

असली ढुलाई: क्या करना चाहिए

1. निकलने से पहले, पूरा रास्ता देख लो।
2. एक इंसान ख़ाली हाथ चलता है: दरवाज़े खोलता है और आगाह करता है।
3. हाथ हत्थों पर, हिंज और कुंडियों से दूर।
4. सामान उठाकर न दौड़ते हैं, न मुक़ाबला करते हैं।
5. अगर कोई "रुको" कहे, तो सब रुक जाते हैं।
6. पहले ज़मीन पर रखते हैं। फिर बहस करते हैं।
7. बड़ी चीज़ को दो लोग, किसी बड़े के साथ, खोलते और तह करते हैं।

"सिर्फ़ कहानी में" की मुहर उस चीज़ पर लगती है जो असली नहीं है।

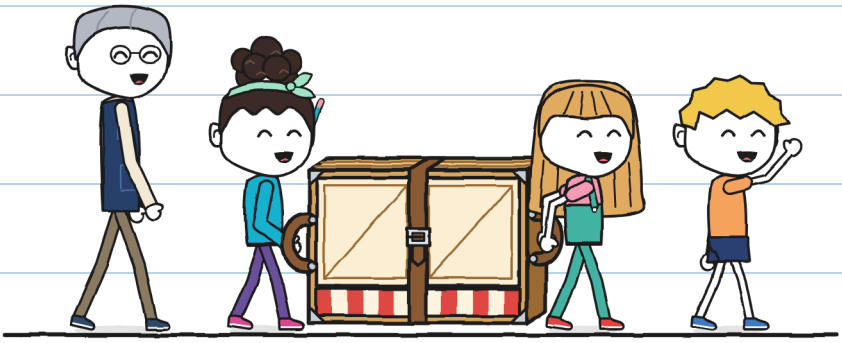

अगर तुम्हें कुछ पता है, तो पहले बता दो। –ज.